डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

सर्वाधिक चर्चित अखबार

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-24 अंक- 306 | www.rashtriyahindimail.in | इंदौर, मंगलवार 28 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14, 2083 | पृष्ठ-8 मूल्य पांच रुपए

पेपरलीक रोकने कड़ा विधेयक पेश, लाठीचार्ज पर संसद में हंगामे के बाद बनी सहमति, आज चर्चा

छात्रों पर पुलिस की सख्ती से सुप्रीम कोर्ट नाखुश, सीजेपी ने फिर दी आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार का पेपरलीक व परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, आज संसद में पेश हो गया। इस पर आज चर्चा होगी लेकिन यह चर्चा काफी हंगामेदार होने के आसार हैं। इससे पहले कड़े प्रावधानों वाला यह विधेयक संसद में पेश हुआ लेकिन कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियां इस पर हंगामा करते रहे, इनकी मांग थी कि दिल्ली में लाठीचार्ज की घटना पर पहले संसद में बहस की जाए। इसे लेकर कार्यवाही में गतिरोध बना रहा। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की और सरकार व विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है। संसद में बिल पेश होते ही कल विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बयान देने की मांग उठा दी , इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई। जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते थे।

छात्रों की गिरफ्तारी पर भड़की सीजेपी

वही छात्रों के संगठन सीजेपी ने फिर सरकार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौता तोड़ा है तथा बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। खास बात यह है कि सीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- मेरा रोल इस पार्टी के कानूनी मसलों में मदद करना है। इस बीच सीजेपी ने पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए पीड़ित छात्र अपनी परेशानी शेयर कर सकते हैं। गौरतलब है कि सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर लिखा है कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर स्थगित किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। उधर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। लद्दाख रवाना होने से पहले वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गए।

प्रदर्शन संवैधानिक अधिकारः सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कल कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई में यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस मोहना की बेंच ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना भी चिंता की बात है। इधर, राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने भी सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर याचिका लगाई है। अब कोर्ट आज मंगलवार को सभी याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई करेगा।

फास्ट्रट्रेक कोर्ट में पहले दिन सुनवाई टली

उधर नीट पेपरलीक मामले में राउज एवेन्यू की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहले ही दिन सुनवाई टल गई। सुनवाई के दौरान सीआईआई की ओर से कोई सरकारी वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने डायरेक्टर ऑफ प्रॉसिक्यूशन को सीबीआई का पक्ष रखने के लिए सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आरोपी दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 3 अगस्त तक टाल दी। यह पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 के तहत बनी स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई थी। अब पेपर लीक से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई इसी कोर्ट में होगी।

डॉ. सुदाम खाड़े को अधिकारियों ने दी भावभीनी विदाई

भास्कर लक्षकार ने इंदौर संभागायुक्त का पदभार ग्रहण किया

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2010 बैच के वरिष्ठ अधिकारी भास्कर लक्षकार ने सोमवार को इंदौर संभाग के नए संभागायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे आयुक्त सह-संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पद पर पदस्थ थे। लक्षकार ने प्रदेश में मुरैना, गुना एवं रतलाम जिले के कलेक्टर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी।

इस अवसर पर निवर्तमान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. खाड़े की पदस्थापना मुख्यमंत्री के सचिव के रूप में हुई है। संभागायुक्त कार्यालय में अधिकारियों ने भास्कर लक्षकार का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया तथा डॉ. सुदाम खाड़े को उनके कार्यकाल के लिए भावभीनी विदाई दी। इस दौरान लक्षकार ने संभागीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर प्रशासनिक कार्यों की जानकारी भी ली। पदभार ग्रहण करने के बाद भास्कर लक्षकार ने कहा कि इंदौर संभाग में सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इंदौर संभाग में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति पहले से स्थापित है और उनकी कोशिश रहेगी कि टीम वर्क,

बेहतर समन्वय और नवाचार के माध्यम से इसे और ऊंचे स्तर पर ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देने और जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सभी अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा।

निवर्तमान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने अपने संबोधन में इंदौरवासियों, जनप्रतिनिधियों तथा मीडिया का आभार व्यक्त किया। डॉ. खाड़े ने विश्वास व्यक्त किया कि नए संभागायुक्त भास्कर लक्षकार अपने अनुभव, गंभीर कार्यशैली और नवाचारों के माध्यम से शासन की प्राथमिकताओं को नई गति देंगे तथा इंदौर संभाग को विकास के नए आयामों तक पहुंचाएंगे।

नवागत संभागायुक्त भास्कर लक्षकार कार्यभार गृहण करने के पूर्व इंदौर के पुरातन खजराना गणेश मंदिर और रणजीत हनुमान मंदिर पहुँचे। यहाँ उन्होंने सहपरिवार मंदिर के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

इंदौर नगर निगम के 103.42 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में ईडी की कार्रवाई

फर्जी बिल घोटालाः ईडी ने 32 आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मामला, 2 आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

इंदौर नगर निगम में बिना निर्माण कार्यों के करोड़ों के भुगतान से जुड़े बहुचर्चित फर्जी बिल घोटाले में आखिरकार प्रवर्तन निदेशालय ने 32 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, वहीं घोटाले के मुख्य दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इंदौर में प्रवर्तन निदेशालय के सब-ज़ोनल कार्यालय द्वारा की गई इस कार्रवाई में फ़र्ज़ी बिल मामले में 32 आरोपियों के खिलाफप्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी की जांच में पता चला है कि इस घोटाले में ठेकेदार, नगर निगम के अधिकारी, लोकल फ़ंड ऑडिट और रेजिडेंट ऑडिट ऑफ़िस के अधिकारी फर्जी बिल तैयार करने के साथ उन पर भुगतान के कारनामे को अंजाम दे रहे थे

इसके अलावा उनके इशारे पर कई वे व्यक्ति भी शामिल पाए गए जिन्होंने अपराध से हुई कमाई को छिपाने और इस्तेमाल करने में उनकी मदद की थी। दरअसल इस मामले में ईडी ने इंदौर के एमजी रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। यह मामला इंदौर नगर निगम के खजाने से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करके सरकारी फंड निकालने से जुड़ा था। जांच के दौरान पता चला कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए नकली बिल, मनगढ़ंत मेज़रमेंट बुक, झूठे कंप्लीशन सर्टिफिकेट और हेरफेर की गई नोट शीट जैसे दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया गया। ये दस्तावेज़ ऐसे कामों के लिए थे जो या तो कभी हुए ही नहीं थे या असली वर्क ऑर्डर के तहत पहले ही पूरे किए जा चुके थे।

नगर निगम के खजाने से धोखाधड़ी से निकाला 103.42 करोड़ का सरकारी फंड

जांच से पता चला कि कई आरोपी और ठेकेदार फर्मों ने नगर निगम और लोकल फंड ऑडिट/रेजिडेंट ऑडिट ऑफिस के अधिकारियों के साथ मिलकर वर्क ऑर्डर फ़ाइल और नकली बिल तैयार किए और भुगतान के लिए प्रोसेस करवाए। इस तरह उन्होंने नगर निगम के खजाने से लगभग 103.42 करोड़ रुपये का सरकारी फंड धोखाधड़ी से हासिल किया। इस तरह हासिल किए गए फंड को नकद निकाला गया और ठेकेदारों, सरकारी कर्मचारियों और अन्य लाभार्थियों में बांटा गया। जांच के दौरान, ईडी ने घोटाले के मुख्य सूत्रधार अभय सिंह राठौर के साथ-साथ मोहम्मद जाकिर और राहुल बडेरा को पीएमएलए 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। इन पर अपराध की योजना बनाने और उससे हुई अवैध कमाई को लॉन्डर करने (मनी लॉन्ड्रिंग) में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है।

केन-बेतवा प्रोजेक्ट के विरोध के बीच अब राहुल की एंट्री

भोपाल/ नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विरोध प्रदर्शन के बीच अब आंदोलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की एंट्री भी हो गई है। उन्होंन मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला व आरोप लगाया कि अपनी जमीन, उचित मुआवजे और सम्मानजनक पुनर्वास की मांग को लेकर जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल कर रहे आदिवासियों की आवाज सुनने के बजाय सरकार पुलिस बल के जरिए उनके शांतिपूर्ण आंदोलन को दबा रही है। राहुल ने एक्स पर लिखा- मोदी सरकार सच और अहिंसक प्रतिरोध, दोनों से डरती है।

केन-बेतवा परियोजना के लिए आदिवासियों की जमीन तो ले ली गई, लेकिन उन्हें न तो उचित मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास, अब कांग्रेस आदिवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है। ज्ञात हो कि बीते दिनों प्रशासन ने लगातार बारिश और आंदोलनकारियों की बिगड़ती तबीयत को देखते हुए 20 जुलाई को सुरक्षा के मद्देनजर पानी में खडे रहकर आंदोलन कर रहे लोगों को हटाया था। प्रोजेक्ट में छतरपुर जिले के 24 गांव प्रभावित हो रहे हैं। इनमें आठ गांव डूब क्षेत्र में आएंगे, जबकि 16 गांव पन्ना टाइगर रिजर्व के दायरे में शामिल किए जाएंगे।

विजय शाह मामलाः 7 को सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी कंप्लायंस रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह के विवादित बयान से जुड़े मामले में राज्य सरकार की चुप्पी अब सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई से पहले सवालों के घेरे में है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की एक महिला अधिकारी को लेकर दिए गए बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) अपनी रिपोर्ट पिछले वर्ष अगस्त में अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर चुका है। अगले महीने इस रिपोर्ट को पेश हुए एक वर्ष पूरा हो जाएगा, लेकिन राज्य सरकार अब तक अदालत में कंप्लायंस रिपोर्ट दाखिल नहीं कर सकी है। पहले 24 जुलाई को सुनवाई थी, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया। अब अगस्त को सुनवाई नियत है अब सुनवाई से पहले सरकार को अपना पक्ष और अनुपालन रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। गौरतलब है कि 8 मई 2026 को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कंप्लायंस रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किए जाने पर राज्य सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी।

पैलेट गन विवाद : 7 राउंड फायर करने वाले जवान की हुई पहचान

नई दिल्ली । नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में बीती 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेटगन इस्तेमाल के मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की आंतरिक जांच में उस रैपिड एक्शन फोर्स जवान की पहचान कर ली गई है, जिसने प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन से फायरिंग की थी। जांच में सामने आया है कि संबंधित जवान ने कुल सात राउंड फायर किए थे। इनमें से पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो राउंड जमीन पर दागे गए। पूरी फायरिंग कनॉट प्लेस क्षेत्र में हुई थी। जांच टीम अब यह भी पता लगा रही है कि किन परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और किस स्तर पर इसकी अनुमति दी गई थी। जल्द ही रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने की संभावना है।

भूख हड़ताल के ऐन पहले सरकार ने दिया आश्वासन,जूडा हुए नरम

भोपाल । मप्र में स्टाइपेंड की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे एमबीबीएस इंटर्न एवं भावी इंटर्न अब भूख हड़ताल भी करेंगे। हालांकि कल ही सोमवार को वे भूख हड़ताल पर जाने वाले थे, लेकिन उसे आगे टाल दिया गया है। उनकी मांग है कि स्टाइपेंड 14 हजार 337 रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए किया जाए। बताया जाता है कि मेडिकल कॉलेज परिसर में डॉ. कृष्णा और डॉ. संकेत अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने ही वाले थे कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त एस. धनराजू ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक आयोजित करने का आश्वासन दे दिया व कहा कि सभी मांगों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की जाएगी। आयुक्त के आश्वासन के बाद भूख हड़ताल को आज मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। हालांकि जूडा ने स्पष्ट किया है कि केवल भूख हड़ताल स्थगित की गई है। आंदोलन, कार्यस्थगन एवं अन्य सभी विरोध कार्यक्रम जारी रहेंगे। नियमित कार्य तभी पुनः प्रारंभ किए जाएंगे, जब सक्षम स्तर से लिखित आश्वासन प्राप्त होगा।

नया अभियानः अब आरक्षण के खिलाफ सामने आए 46 लाख !

नई दिल्ली। सीजेपी के नेतृत्व में करीब 37 दिन चले छात्र आंदोलन के खत्म होने के बाद अब सोशल मीडिया पर एक नया अभियान तेजी से उभरा है। रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन (आरएचए) नाम का एक समूह महज पांच दिनों में इंस्टाग्राम पर 46 लाख फॉलोअर्स तक पहुंचने का दावा कर रहा है। यह अभियान खुद को नागरिकों द्वारा चलाया गया बताया जा रहा है और दावा है कि इसका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। यह पूरा अभियान सोशल मीडिया के जरिए आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर चलाया जा रहा है और इसी वजह से चर्चा में है। इस समूह का इंस्टाग्राम अकाउंट **reservationhatao-movement** नाम से चल रहा है। इसमें 109 पोस्ट हैं। प्रोफाइल में लिखा है कि यह उन नागरिकों का अभियान है, जो मानते हैं कि सुधार की आवाज उठनी चाहिए। गौरतलब है कि दो दिन पहले ई-20 जनता पार्टी भी सोशल मीडिया पर सामने आई थी जो पेट्रोल में एथेनाल मिलाने के विरोध में बनाई बताई गई थी।

किसानों के खाते में 3300 करोड़, खंडवा में स्थापित होगी पुलिस बटालियन

बलराम कृषि महोत्सव मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कई घोषणाएं

राष्ट्रीय हिंदी मेल, खंडवा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल खंडवा में बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए किसान कल्याण योजना के तहत 82.70 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में ?3300 करोड़ से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। किसानों को वर्ष 2025-26 की तीसरी और 2026-27 की पहली किस्त के रूप में 4000 रू की राशि प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने जैविक एवं हाईटेक खेती, खाद्य प्रसंस्करण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों, मेधावी विद्यार्थियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को सम्मानित किया। उन्होंने खंडवा में पुलिस बटालियन स्थापित करने की घोषणा करते हुए कहा कि

खंडवा-बूंदी मार्ग के लिए 15 सितंबर से पहले टेंडर जारी कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए लगातार बड़े निर्णय ले रही हैं, सरकार किसानों के सम्मान तथा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेशभर में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किए गए हैं। वर्ष 2002-03 से पहले जहां सिंचाई का रकबा 44 लाख हेक्टेयर था, वहीं अब यह बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर हो गया है। अब ड्रोन के माध्यम से खाद और बीज का छिड़काव भी किया जा रहा है। इसी वर्षा ऋतु के बाद किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण के साथ प्रदेश की महिलाओं और आम नागरिकों के लिए भी कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। अगले महीने से प्रदेश में सरकारी रोडवेज बस सेवा शुरू की जाएगी।

गरीबों के उपचार के लिए एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तथा ओंकारेश्वर धाम और सिंहस्थ-2028 से जुड़े विकास कार्यों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का भी उल्लेख किया व कहा कि यूसीसी पर सर्वे के लिए साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को एसएमएस भेजे गए, 10 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए और सर्वे में 76 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने यूसीसी लागू करने का समर्थन किया।

साँची में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण संपन्न

पोस्टर से पूर्व सीएम शिवराज की फोटो नदारद, बना चर्चा का विषय

रायसेन। शासकीय सांदीपनि विद्यालय (पूर्व में 'सीएम राइज स्कूल'), साँची के नए भवन का लोकार्पण समारोह सोमवार को विद्यालय परिसर में गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पवार ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर और पट्टिका का अनावरण कर भवन का विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक शैक्षणिक इंफ्रास्ट्रक्चर से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, जो उनके स्वर्णिम भविष्य की नींव रखेगा।

समारोह में *विशिष्ट अतिथि* क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा और भाजपा जिलाध्यक्ष शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। अतिथियों ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के प्रयासों की सराहना की।

जनक की तस्वीर गायब होने से राजनीतिक गर्माहट

इस भव्य आयोजन के बीच एक बात विशेष रूप से कौतूहल और राजनीतिक गलियारों में दिनभर चर्चा का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम स्थल पर लगे आधिकारिक बैनर-पोस्टरों से क्षेत्रीय सांसद और वर्तमान में भारत सरकार के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की तस्वीर पूरी तरह गायब रही।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज सिंह चौहान ने ही शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से इस योजना की आधारशिला रखी थी, जिसे वर्तमान मोहन यादव सरकार द्वारा 'सांदीपनि विद्यालय' नाम दिया गया है। योजना के जनक और क्षेत्रीय सांसद होने के बावजूद अपने ही क्षेत्र के इतने बड़े शासकीय आयोजन के पोस्टरों से शिवराज सिंह चौहान का फोटो नदारद रहने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी और भाजपा के अंदरूनी समीकरणों को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

नगर कांग्रेस कमेटी ने किया शहीदों को नमन निकाली रैली

आमला। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर में स्थित शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन कर देश के वीर सपूतों के बलिदान को याद किया गया। साथ ही कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कांग्रेसियों ने सर्वप्रथम नेहरू पार्क के सामने स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद रविवार शाम इतवारी चौक स्थित शहीद स्मारक पर कैंडल जलाकर शहीदों के बलिदान को याद किया और शहीदों को नमन किया। ये रहे उपस्थित इस अवसर पर कांग्रेस के शहर प्रभारी शाबीर, नगर

कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय सोलंकी, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर, सेवादल के विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुभाष देशमुख, रमेश दामले, पूर्व पार्षद शैलेंद्र खातरकर, कमलेश माकोड़े, मदन साहू, महासचिव यशपाल ठाकुर, दीपक बेले, रमजान खान, राजेश राठौर, शेख आबिद, अमित सोनी, राकेश निरापूरे, गोलू वरवड़े, सीटू साहू, रशीद खान, विजय बछले, भूपेंद्र बेले, प्रकाश माथनकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे

'शहीदों का बलिदान हमारी प्रेरणा' - ग्रामवासियों ने लिया संकल्प

कारगिल विजय दिवसः अंधारियाँ में शहीदों को श्रद्धांजलि, किया वृक्षारोपण

आमला । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत अंधारियाँ द्वारा शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त भारत माता के अमर सपूतों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को भावपूर्ण स्मरण किया गया। इसके बाद वीर शहीदों की पावन स्मृति में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

पूर्व सैनिक रहे मौजूद- कार्यक्रम में

भूतपूर्व सैनिक संघ, तहसील आमला से ताम्रध्वज चौहान, शिवकांत नरवरे, डी.एल. सूर्यवंशी, मिश्रीलाल नरवरे, मधु रहड़वे, चंद्रकिशोर चौहान, बामने, सुनील सिमैया, मनोज डढोरे, देवेंद्र नरवरे, देवमन गढ़ेकर, मगन डढोरे, मनहोर बनखेडे एवं राजू सावनेर सहित अनेक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी हुए शामिल इस अवसर पर मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद, विकासखंड आमला, नवांकुर संस्था अभिनव समाज कल्याण संगठन के प्रतिनिधि, विकासखंड समन्वयक अरविंद माथकर, नरेंद्र प्रसाद सोनी, भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढ़ेकर, अनिल सोनारे, जगदीश राठौर, परामर्शदाता घनीराम गढ़ेकर, प्रमोद सोनारे, कार्तिकराम बारपेटे, कमलेश सावनेर, लावन सोलंकी, ललित सोनी, सुधाकर उमरे, राजू अतुलकर, नवीन गढ़ेकर, जितेंद्र नरवरे, कृष्या सोलंकी, वीरेंद्र सोलंकी, बाबूराव बारपेटे, जगन चौहान सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर परिसर में रोपे फलदार और फूलदार पौधे

शहडोल। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और शहर में हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एकादशी के पावन अवसर पर पुराना बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान के तहत मंदिर परिसर में फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने शमी का पौधा रोपकर किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि स्वच्छ वायु, छाया और जैव विविधता के संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भविष्य की नींव भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

मृतक की पत्नी को नहीं मिल पा रहा था योजनाओं का लाभ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप से 2 साल बाद असम से मिला पति का मृत्यु प्रमाण पत्र

आमला। कभीकभी एकदो दिन में होने वाले कामों में महीने और साल लग जाते हैं। ऐसा ही आमला तहसील के ग्राम भयावाड़ी निवासी कलसिया उइके के साथ हुआ। उनके पति धनसू उइके वर्ष 2023 में मजदूरी करने के लिए असम गए थे। असम के डिब्रूगढ़ जिले के लेगोटिया क्षेत्र में 9 अक्टूबर 2023 को नदी में डूबने से उनकी मौत हो गई थी। अंतिम संस्कार भी वहीं किया गया था। लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र न बन पाने के कारण मृतक की पत्नी कलसिया बाई को शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अधिवक्ता शफी ने उनकी मदद करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया।

इसके बाद राष्ट्रपति सचिवालय से इस शिकायत को असम के डिब्रूगढ़ भेजा गया। वहां से मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर 2 साल बाद आमला तहसीलदार को भेजा गया।

तहसीलदार ने दी जानकारी तहसीलदार आमला रिचा कौरव ने बताया कि नियमानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र उसी राज्य में जारी किया जाता है, जहां व्यक्ति की मृत्यु हुई हो। इसी कारण यह प्रमाण पत्र असम प्रशासन द्वारा जारी किया गया है। महिला ने डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन और सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि अब मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने से सरकारी योजनाओं और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं का रास्ता खुल गया है।

आदिवासीयो ने की सराहना-

इस मामले की खबर जब ब्लॉक में फैली तो सभी ने राष्ट्रपति सचिवालय की प्रशंसा की। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राजेश बट्टी ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आमला के आदिवासियों का दिल जीत लिया है। इससे स्पष्ट होता है कि महामहिम गरीब आदिवासियों के प्रति बहुत संवेदनशील हैं। राजेश बट्टी ने आदिवासी वर्ग की तरफ से राष्ट्रपति का आभार भी व्यक्त किया।

रायसेन में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

रायसेन। शहर की शीतल सिटी कॉलोनी में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सुबह करीब 10 बजे एक 45 वर्षीय महिला ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त महिला का पति कोर्ट में अपनी ड्यूटी पर तैनात था।

जानकारी के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला की बड़ी बेटी ने अपनी मां को कमरे में फंदे पर लटका देखा। चीखपुकार सुनकर आसपास के पड़ोसी मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया।

परिजनों का हाल बेहाल, आत्महत्या के कारण अज्ञात- मृतका की पहचान सरोज विश्वकर्मा (45 वर्ष) के रूप में हुई है। उनके परिवार में पति और दो बेटियां हैं। पड़ोसियों का कहना है कि घटना से कुछ समय पहले तक महिला बिल्कुल सामान्य स्थिति में नजर आ रही थी, जिससे इस कदम के पीछे की वजह किसी की समझ में नहीं आ रही है।

पुलिस कर रही जांच- कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि प्राथमिक रूप से आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों व पड़ोसियों के बयान दर्ज कर मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन बाजार से जुड़ने की राह हुई आसान

शहडोल के जनजातीय शिल्प को मिल रही नई पहचान, हुनर को बाजार से जोड़ने की पहल

शहडोल। शहडोल की पहचान केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध वन संपदा और जनजातीय संस्कृति से ही नहीं, बल्कि यहां के कुशल शिल्पकारों की पारंपरिक कला और हुनर से भी है। वर्षों से गोंडी पेंटिंग, काष्ठ शिल्प, रॉट आयरन तथा कालीन दरी निर्माण जैसी हस्तशिल्प विधाएं जिले के जनजातीय परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन होने के साथसाथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाए हुए हैं। बदलते समय और आधुनिक बाजार की प्रतिस्पर्धा के बीच स्थानीय शिल्पकारों के सामने अपनी कला को व्यापक बाजार और नई पहचान दिलाने की चुनौती रही है। इन्हीं चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शिल्पकारों को प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की

दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम, छतवई में डीएमएफयोजना वर्ष 202425 के अंतर्गत 50 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 200 स्थानीय प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गोंडी पेंटिंग, रॉट आयरन, काष्ठ शिल्प तथा कालीन दरी निर्माण जैसी पारंपरिक विधाओं के साथसाथ आधुनिक तकनीकों और बदलती बाजार की आवश्यकताओं से भी अवगत कराया गया।

परंपरागत हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास- प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय शिल्पकारों को उनके पारंपरिक हुनर को और अधिक निखारने के साथ आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के माध्यम से शिल्पकारों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन और प्रस्तुतीकरण में सुधार करने का अवसर मिला। इससे स्थानीय कलाकारों में अपने हुनर को लेकर आत्मविश्वास बढ़ने के साथ रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं भी बनी हैं।प्रशिक्षण के उपरांत आयोजित जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले ने स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराया। मेले में शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न पारंपरिक एवं कलात्मक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान ट्राइफेड के अधिकारियों ने शिल्पकारों को ऑनलाइन पंजीयन के लिए प्रेरित किया, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।

एसपी ने देर रात सीमावर्ती थाने का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात जिले के सीमावर्ती थाना देवलोंद क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक के देर रात अचानक क्षेत्र में पहुंचने से पुलिस महकमे में भी सक्रियता देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना देवलोंद अंतर्गत ग्राम सथनी, जनकपुर एवं सुखाड़ सहित आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, कानून व्यवस्था और पुलिस गश्त की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा सोन घड़ियाल संरक्षित क्षेत्र तथा सोन एवं बनास नदियों के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का लगातार भ्रमण एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए।

ग्राम खम्हरिया कला की घटना ने झकझोरा, बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव को लेकर सतर्क रहने की अपील

सर्पदंश से 11 वर्षीय मासूम बच्ची की दुखद मौत, गांव में पसरा मातम

शहडोल। जिले के ग्राम खम्हरिया कला में सर्पदंश की एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। बताया गया कि ग्राम निवासी बाबूलाल पटेल की 11 वर्षीय नातिन वैष्णवी पटेल, जो कक्षा पांचवीं की छात्रा थी, सर्पदंश का शिकार हो गई। घटना के बाद बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है। मासूम बच्ची की असमय मृत्यु की खबर जिसने भी सुनी, उसकी आंखें नम हो गईं।

परिजनों और ग्रामीणों के लिए यह घटना बेहद पीड़ादायक है। एक मासूम बच्ची, जो अभी जीवन की शुरुआती दहलीज पर थी और जिसके भविष्य को लेकर परिवार ने कई सपने संजोए थे, उसके यूं अचानक दुनिया से चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ईश्वर दिवंगत मासूम वैष्णवी पटेल की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल माता-पिता और परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतर- गौरतलब है कि बारिश के मौसम में खेतों, झाड़ियों, घरों के आसपास तथा नमी वाले स्थानों पर सांपों की सक्रियता बढ़ जाती है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रात के समय घर से बाहर निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें। खेत, लकड़ी के ढेर, झाड़ियों अथवा अंधेरे स्थानों पर हाथ डालने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें। घर के आसपास घास-फूस और कचरा जमा न होने दें तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। **सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक में समय न गंवाएं-** स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराएं नहीं और पीड़ित को जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। सर्पदंश के मामले में झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार के भरोसे समय गंवाना जानलेवा साबित हो सकता है। पीड़ित को कम से कम हिलाएं-डुलाएं और तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। समय पर उपचार और एंटीवेनम उपलब्ध होने से सर्पदंश के कई मामलों में जीवन बचाया जा सकता है।खम्हरिया कला की यह दुखद घटना एक बार फिर लोगों को सचेत करती है कि बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। सावधानी, जागरूकता और समय पर अस्पताल पहुंचाना ही सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंची पुलिस

व्यापारियों और नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्परिणाम बताए

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान के तहत पुलिस द्वारा लगातार व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ आम नागरिकों, व्यापारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क कर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।अभियान के दौरान थाना प्रभारियों एवं

पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से पूरी तरह दूर रहने की अपील की। नागरिकों को समझाया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करती है, बल्कि इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

हर घर जल घोषित ग्राम हट्टीपुरा में उत्साहपूर्वक मनाया गया जल अर्पण दिवस

राष्ट्रीय हिंदी मेल, झाबुआ। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार विकासखंड राणापुर के हर घर जल घोषित ग्राम हट्टीपुरा में सोमवार को जल अर्पण दिवस उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत की सरपंच कमला सीतू सिंगाड़ ने की। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी आदित्य तमारकर (जल संसाधन विभाग, झाबुआ) की उपस्थिति में मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्राम स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, स्वयं सहायता समूह, युवाओं एवं ग्रामीण समुदाय की सहभागिता से प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात जल संरक्षण एवं सुरक्षित जल उपयोग के प्रति सभी उपस्थितजनों को सामूहिक शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों ने नल कनेक्शनों पर धागा बांधकर जल स्रोतों की सुरक्षा, जिम्मेदारीपूर्वक जल उपयोग तथा जल प्रबंधन का संकल्प लिया। इस अवसर पर आकर्षक रंगोली के माध्यम से नल से जल की अवधारणा को प्रदर्शित किया गया। सरपंच एवं मुख्य अतिथियों द्वारा ग्राम को हर घर जल प्रमाणित ग्राम के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों, स्वयं सहायता समूह, पंप ऑपरेटर एवं योजना के सफल संचालन में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। नोडल अधिकारी आदित्य तमारकर ने ग्रामीणों को जल अर्पण दिवस के महत्व एवं जल संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। वहीं सहायक यंत्री दयालु राठौर ने हर घर जल योजना के संचालन एवं संधारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए ग्रामीणों को योजना के प्रभावी संचालन में सहभागी बनने का आह्वान किया।

ठेकेदार की बेरुखी ने छीना परिवार का सहारा

लसूड़िया में निर्माणाधीन मकान से गिरकर मजदूर की मौत

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर पसीने की हर बूंद के साथ जो मजदूर दूसरों के सपनों का आशियाना सजाता है, उसे क्या पता था कि ठेकेदार की एक लापरवाही उसके खुद के घर का चिराग हमेशा के लिए बुझा देगी।

लसूड़िया थाना क्षेत्र में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना में सुरक्षा उपकरणों के अभाव के कारण दूसरी मंजिल से गिरकर एक 35 वर्षीय मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खंडवा का मूल निवासी हीरालाल पिता फूलचंद (35), जो हाल ही में देवगुराड़िया क्षेत्र में रहकर अपने परिवार का पेट पाल रहा था, लसूड़िया थाना क्षेत्र के एक निर्माणाधीन मकान में मजदूरी कर रहा था। बीते दिनों काम के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह सीधे दूसरी मंजिल से नीचे आ गिरा। लहूलुहान हालत में साथी मजदूर उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां जिंदगी और मौत से जूझते हुए उसने दम तोड़ दिया। हीरालाल की मौत की खबर जैसे ही उसके परिवार तक पहुंची, मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक कृष्णा बोड़े ने बताया कि घटना की गहराई से जांच की गई और साथी मजदूरों व प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए। बयानों में यह खौफनाक सच सामने आया कि खजराना निवासी ठेकेदार असलम मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के काम करवा रहा था।

असलम ने ऊंचाई पर काम कर रहे हीरालाल को न तो हेलमेट दिया था।

नेनो ब्रीफ़

प्रातः 08 बजे तक 1.02 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

झाबुआ। झाबुआ जिले में बीते 24 घंटे में प्रातः 08 बजे तक 1.02 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। तहसीलवार झाबुआ में 0.0 मि.मी, रामा में 2.1 मि.मी, राणापुर में 1.3 मि.मी, मेघनगर में 0.0 मि.मी, थान्दला में 1.4 मि.मी, पेटलावद में 0.8 मि.मी कुल 7.6 मि.मी वर्षा हुई। जिले में 01 जून से 27 जुलाई 2026 प्रातः 8 बजे तक 220.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के झाबुआ में 227.7 मि.मी, रामा में 170.1 मि.मी, राणापुर में 187.7 मि.मी, मेघनगर में 224. मि.मी, थान्दला में 255.5 मि.मी, पेटलावद में 258.5 मि.मी कुल 1320.5 मि.मी दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 496.8 मिलीमीटर थी। उक्त जानकारी अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई।

खनिज विभाग की कार्रवाई: अवैध रेत परिवहन करते दो डम्पर जप्त

राष्ट्रीय हिंदी मेल, झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनि अधिकारी जुवानसिंह भिड़े एवं खनिज विभाग के अमले द्वारा सोमवार को अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो डम्पर जप्त किए गए। कार्रवाई के दौरान ग्राम तलावली से डम्पर क्रमांक तथा ग्राम चुई, तहसील राणापुर से बिना नम्बर का एक डम्पर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जप्त कर कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), झाबुआ परिसर में सुरक्षित खड़ा

कराया गया है। जप्त दोनों वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत अवैध उत्खनन एवं परिवहन का प्रकरण पंजीबद्ध किया जा रहा है। नियमानुसार अर्थदण्ड अधिरोपित किए जाने की कार्रवाई कर प्रकरण अपर कलेक्टर न्यायालय को प्रेषित किया जाएगा। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

28 जुलाई को खवासा ग्राम पंचायत भवन में आयोजित होगी सुनवाई

राष्ट्रीय हिन्दी मेल झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 28 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे से खवासा ग्राम पंचायत भवन में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने संबंधी गतिविधियां ।

दहेज के लिए सताया

इंदौर। 28 साल निवासी सुदामा नगर की रिपोर्ट पर पति मनीष जोशी सास कमलाबाई जोशी और ससुर मोहनलाल जोशी आदि के खिलाफ पुलिस ने दहेज प्रताड़ना की धारा में केस दर्ज किया है।

यात्री का पर्स चुराया

फरियादी मुकेश पिता ओम नारायण शुक्ला निवासी एरोड्रम ने पुलिस को बताया कि वह बड़ा गणपति चौराहे पर सिटी बस में बैठा था तभी किसी ने पर्स चुरा लिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद ग्राम रामपुरिया बना प्रेरणा का केंद्र

राष्ट्रीय हिंदी मेल, झाबुआ। जनपद पंचायत पेटलावद की ग्राम पंचायत रामपुरिया जल संरक्षण और जनभागीदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने स्वेच्छा से तालाब के गहरीकरण का कार्य जनसहयोग से पूरा किया।

अभियान के दौरान आयोजित ग्राम सभाओं एवं विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों से प्रेरित होकर ग्रामवासियों ने गांव के सिंचाई तालाब को गहरा करने का निर्णय लिया। गंगा दशहरा के अवसर पर तालाब परिसर में विशाल जल गंगा संवर्धन जनसभा आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया। अभियान से प्रेरित होकर ग्रामीणों ने अपने स्वयं के संसाधनों से लगभग 20 से 25 ट्रैक्टर लगाकर तालाब से गाद निकालने का कार्य प्रारंभ किया।

यह कार्य लगभग एक माह तक निरंतर चलता रहा। इस दौरान करीब 7,500 ट्रॉली मिट्टी निकालकर 16,200 घन मीटर तालाब का गहरीकरण किया गया। निकाली गई उपजाऊ मिट्टी का अनुमानित मूल्य 26.25 लाख रुपये है, जिसे ग्रामीण अपने-अपने खेतों में ले गए।

समयावधि पत्रों एवं मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

राष्ट्रीय हिंदी मेल, झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में तहसील कार्यालय थांदला के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 31 जुलाई को शासकीय महाविद्यालय कॉलेज ग्राउंड, थांदला में प्रस्तावित भ्रमण एवं प्रदेश स्तरीय आजीविका महिला सशक्तिकरण सम्मेलन के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों तथा विभागवार सौंपे गए दायित्वों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कार्यक्रम से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जल सर्वेक्षण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के समस्त केपीआई (मुख्य प्रदर्शन संकेतकों) की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, एसडीएम एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो युवकों ने लगाई फांसी, एक की मौत पत्नी से विवाद के बाद तो दूसरे की वजह अज्ञात

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर। जुनी इंदौर और एमआईजी थाना क्षेत्र में रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में युवकों द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली घटना- बापू नगर (जुनी इंदौर थाना क्षेत्र) की है. 30 वर्षीय दिनेश अहिरवार ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दिनेश इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और उसके दो बच्चे हैं।

पुलिस के मुताबिक, घटना से कुछ समय पहले घरेलू बात को लेकर दिनेश का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। विवाद के बाद पत्नी नीचे चली गई थी। देर शाम जब वह वापस कमरे में पहुंची, तब दिनेश का शव फंदे पर लटका मिला। शुरुआती जांच में पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। एमआईजी थाना क्षेत्र के नया बसेरा की है। इलाके में रहने वाले 42 वर्षीय राजू कलमे ने भी अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। राजू एक स्क्रैप की दुकान पर कर्मचारी के रूप में काम करता था।

मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों का किया सम्मान

राष्ट्रीय हिंदी मेल, झाबुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने आज सांदीपनि विद्यालय रजला में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रथम चरण के अंतर्गत साइकिलों का वितरण किया। इस अवसर पर कक्षा 6 के 35 तथा कक्षा 9 के 50 विद्यार्थियों सहित कुल 85 विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की गईं। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी, विशेषकर ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा उन्हें शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ प्रदान करना है। साइकिल वितरण योजना विद्यार्थियों को विद्यालय तक

नियमित रूप से पहुँचने में सहायता करेगी तथा बालक-बालिकाओं में शिक्षा के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित करें तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का जिम्मेदार नागरिक बनेगा, इसलिए शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी पालन आवश्यक है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि बेटियों को समान अवसर प्रदान करना समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है, जिनका उद्देश्य प्रत्येक बेटी को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना है।

उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों का सम्मान उनकी मेहनत, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान है। उन्होंने सभी शिक्षकों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों का भी मार्गदर्शन देने का आह्वान किया।

इंदौर में बदमाशों के हौसले बुलंद: तीन अलग-अलग वारदातों में युवकों पर चाकू से हमला

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर। शहर में बदमाशों और गुंडों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें कानून और खाकी का कोई खौफ नहीं है। इंदौर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाकूबाजी की तीन सनसनीखेज घटनाएं सामने आईं, जिससे स्पष्ट होता है कि अपराधियों पर से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।

शनिवार दोपहर करीब 3 बजे फरियादी रवि मूल निवासी खंडवा बस से उतरकर पैदल अपने माता-पिता से मिलने जा रहा था। एक होटल के सामने बिना नंबर की बाइक पर आए तीन बदमाशों ने उसे रोककर गालियां दीं और कहा कि च्तू यहां क्यों आता है?ज् विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधार न देने पर मारा चाकू द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में रहने वाले फरियादी

प्रकाश पिता अनिल राठौड़ ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले आरोपी शुभम पिता केदार सोलंकी ने 5 हजार रुपए उधार मांगे थे। रुपए उधार देने से मना करने पर गुस्साए आरोपी ने प्रकाश पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फरियादी आनंद पिता मोहनलाल (किराना व्यापारी) ने स्कीम नंबर 78 में किराना दुकान चलाने पर 500 रुपए की रंगदारी (हफ्ता) मांगी। जब दुकानदार ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

डॉलर देने का झांसा देकर महिला व्यापारी से 50 हजार रुपये ठगे

राष्ट्रीय हिन्दी मेल इंदौर जुलाई शहर में ऑनलाइन साइबर ठगी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला खजराना थाना क्षेत्र का है, जहां एक महिला व्यापारी को सस्ते दामों में डॉलर दिलाने का झांसा देकर 50,000 रुपये की धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अनम शेख डायमंड की खरीदी-बिक्री का ऑनलाइन व्यापार करती हैं और अपने काम के लिए एजेंट के माध्यम से डॉलर खरीदती थीं।

कम कीमत पर डॉलर प्राप्त करने के लिए उन्होंने जस्ट डायल पर सर्च किया था, जहां उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का संपर्क नंबर मिला। संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने अपना नाम च्जैकज् बताया और मौजूदा बाजार भाव से तीन रुपये प्रति डॉलर कम कीमत में डॉलर उपलब्ध कराने का लालच दिया। आरोपी जैक ने एक जुलाई को अनम शेख को ऑनलाइन भुगतान के लिए एक स्कैनर भेजा, जिसके जरिए उन्होंने 50,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये ट्रांसफर करने के बाद जब फरियादी को डॉलर नहीं मिले, तो उन्होंने आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन आरोपी जैक ने उनका नंबर ब्लॉक कर दिया और फरार हो गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता वाहन रवाना

किसानों से अधिक से अधिक फसल बीमा कराने की अपील, प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा का प्रभावी माध्यम है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

राष्ट्रीय हिंदी मेल, धार। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूक कर अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से सोमवार को उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विजय चौरसिया ने उपस्थित किसानों के साथ हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन को रवाना किया। यह जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर किसानों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराएगा तथा फसल बीमा के प्रति जागरूक करेगा। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री विजय चौरसिया ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, ओलावृष्टि, बाढ़, सूखा एवं अन्य प्राकृतिक कारणों से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने बताया कि जागरूकता वाहन के माध्यम

से जिले के विभिन्न गांवों में किसानों को योजना की पात्रता, अधिसूचित फसलों, बीमा कराने की प्रक्रिया, अंतिम तिथि, प्रीमियम, दावा प्रक्रिया तथा योजना के अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष औसत से कम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान खरीफ मौसम की अधिसूचित फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक बीमा कराएं, ताकि प्राकृतिक आपदा या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में फसल क्षति होने पर आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके और किसानों को नुकसान की भरपाई मिल सके। उन्होंने कहा कि समय पर फसल बीमा कराकर किसान अपनी मेहनत और निवेश को सुरक्षित बना सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित जानकारीपूर्ण पम्पलेट वितरित किए गए तथा उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए योजना से जुड़ी विभिन्न जानकारियां भी साझा कीं। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, प्रगतिशील किसान तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी फसलों का बीमा कराने का आग्रह किया।

संपादकीय

कचरा केवल सफाई नहीं, जनस्वास्थ्य का सवाल

अनीता चौबे

देश के अधिकांश शहर आज तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के बीच ठोस कचरा प्रबंधन की गंभीर चुनौती से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि सफाई व्यवस्था कुछ दिनों के लिए भी ठप पड़ जाए तो उसका असर केवल शहर की सुंदरता पर नहीं, बल्कि सीधे आम नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और जीवन की गुणव□ाा पर पड़ता है। पंजाब में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण उत्पन्न हालात और इस पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की चिंता इसी गंभीर वास्तविकता की ओर संकेत करती है।

मानसून के मौसम में सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा कचरा संक्रामक बीमारियों के प्रसार का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। जलभराव, जाम नालियां, दूषित जल स्रोत तथा मच्छरों और अन्य रोग फैलाने वाले जीवों का बढ़ना स्वास्थ्य व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डालता है। इसलिए स्वच्छता केवल नगर निकायों की नियमित जि□मेदारी नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य की पहली शर्त है।

विडंबना यह है कि समाज को स्वच्छ रखने वाले सफाई कर्मचारी स्वयं लंबे समय से असुरक्षित रोजगार, कम वेतन, अपर्याप्त सुविधाओं और स□मान की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी मांगों की अनदेखी अ□सर तब तक होती है, जब तक वे आंदोलन या हड़ताल का रास्ता नहीं अपनाते। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों का समयबद्ध समाधान सरकार और स्थानीय निकायों की जि□मेदारी है।

साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आवश्यक नागरिक सेवाएं पूरी तरह बाधित न हों। सरकारों को ऐसी आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिससे किसी भी विवाद या हड़ताल की स्थिति में सफाई व्यवस्था और जनस्वास्थ्य प्रभावित न हो। संवाद, सहमति और संवेदनशील प्रशासन ही ऐसे संकटों का स्थायी समाधान दे सकते हैं। भारत में प्रतिदिन लाखों टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है। इसका वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक से निस्तारण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण, आधुनिक मशीनों का उपयोग, पर्याप्त मानव संसाधन और इस क्षेत्र में निरंतर निवेश के बिना स्वच्छ शहरों का सपना साकार नहीं हो सकता।स्वच्छता केवल सरकार या सफाई कर्मचारियों की जि□मेदारी नहीं है। नागरिकों को भी कचरा इधरउधर फेंकने से बचना होगा, स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण करना होगा और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता को अपनी सामाजिक जि□मेदारी मानना होगा।

सुविचार

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्णा ना मरी, कह गये दास कबीर?

- कबीर

सेहत

सेहत से भरपूरः तुलसी के गुण और फायदे

तुलसी को आयुर्वेद में औषधीय पौधा माना गया है। इसमें मौजूद कई प्राकृतिक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

तुलसी में □लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स तथा विटामिन् और ष्ट जैसे एंटीऑ□सीडेंट पाए जाते हैं। ये शरीर में बनने वाले हानिकारक फ्री रेडिकल्स से होने वाली कोशिकीय क्षति को कम करने में मदद करते हैं। इससे ऑ□सीडेटिव तनाव घट सकता है, जो कई गंभीर बीमारियों के जोखिम से जुड़ा माना जाता है।

सूजन कम करने में सहायक

तुलसी में यूजेनॉल, लिनालूल और सिट्रोनेलॉल जैसे प्राकृतिक यौगिक होते हैं, जिनमें सूजनरोधी गुण पाए जाते हैं। ये शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती

तुलसी में विटामिन C, आयरन और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इससे शरीर संक्रमणों से लड़ने में बेहतर सक्षम हो सकता है।

पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत

तुलसी में विटामिन च, मैंगनीज, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये हड्डियों के स्वास्थ्य, रक्त के थक्के बनने और शरीर की कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए जरूरी हैं।

पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

तुलसी में मौजूद प्राकृतिक यौगिक पाचन क्रिया को बेहतर बनाने, गैस और पेट फूलने की समस्या कम करने तथा पेट को आराम पहुंचाने में मदद कर सकते हैं।

तनाव कम करने में मददगार

तुलसी को एक प्राकृतिक एडाप्टोजेन माना जाता है। इसमें मौजूद कुछ तत्व मानसिक तनाव कम करने और मन को शांत रखने में सहायक हो सकते हैं। तुलसी को रोजमर्रा के भोजन में आसानी से शामिल किया जा सकता है। इसकी ताजी प□ाियों को सलाद, सूप, सैंडविच, पास्ता और स□िजयों में डालकर खाया जा सकता है। इसके अलावा तुलसी की हर्बल चाय भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती है।

ज्ञानवाणी

एक अनोखे मालिक की सीख

राजस्थान के एक छोटे से कस्बे नयासर में नंदाराम कस्वां नाम के एक स□मानित और उदार स्वभाव के व्यक्ति रहते थे। उनके घर में कई लोग काम करते थे। सभी उनका बहुत स□मान करते थे, □योंकि वे कभी किसी से ऊँची आवाज़ में बात नहीं करते थे। उनका मानना था कि इंसान को आदेश से नहीं, बल्कि प्रेम और स□मान से जीता जा सकता है।

उनके घर में एक अधेड़ उम्र का नौकर भी था। वह मेहनती तो था, लेकिन उसकी एक आदत सबको परेशान करती थी। वह रोज़ देर तक सोता रहता था। जब तक वह उठता, घर के बाकी लोग अपनाअपना काम शुरू कर चुके होते। कई बार उसे समझाया गया, लेकिन उसकी आदत नहीं बदली।

घर के लोगों ने एक दिन नंदाराम कस्वां से कहा, ÷मालिक, इसे कई बार समझा चुके हैं। अब इसे काम से निकाल दीजिए।

नंदाराम कस्वां मुस्कराए और बोले, हर गलती की सज़ा निकाल देना नहीं होती। कभीकभी प्यार से समझाने का असर डाँट से कहीं ज़्यादा होता है।

अगली सुबह सूरज निकलने से पहले ही नंदाराम कस्वां उठ गए। उन्होंने एक लोटे में पानी भरा और धीरेधीरे उस नौकर के कमरे में पहुँचे। नौकर गहरी नींद में सो रहा था।

उन्होंने बड़े स्नेह से उसके कंधे पर हाथ रखा और बोले, उठिए मालिक... सुबह हो गई है। पहले मुँहहाथ धो लीजिए। मैं आपके लिए चाय और नहाने का पानी तैयार करता हूँ।

यह सुनकर नौकर घबरा गया। उसे लगा शायद वह कोई सपना देख रहा है। वह कुछ समझ पाता, उससे पहले नंदाराम कस्वां सचमुच गर्म चाय लेकर उसके सामने खड़े थे।

वे मुस्कराकर बोले, लीजिए मालिक, पहले चाय पी लीजिए। फिर आराम से अपने काम पर लगिए। अब नौकर की आँखों से आँसू निकल पड़े। वह उनके चरणों में झुक गया और बोला, मालिक, आपने मुझे नौकर नहीं, इंसान समझकर स□मान दिया है। आज आपने मुझे मेरी सबसे बड़ी भूल का एहसास करा दिया। मैं वचन देता हूँ कि आज के बाद कभी देर तक नहीं सोऊँगा और अपने कर्तव्य में लापरवाही नहीं करूँगा।

अगले ही दिन घर के सभी लोग हैरान रह गए। वही नौकर सबसे पहले उठ चुका था। उसने आँगन साफ़ कर दिया था, चाय बना दी थी और घर का अधिकांश काम भी पूरा कर लिया था। उसकी आदत हमेशा के लिए बदल चुकी थी। घर वालों ने नंदाराम कस्वां से पूछा, आपने ऐसा कौनसा जादू कर दिया? वे मुस्कराकर बोले, जादू मैंने नहीं किया। यह स□मान और विनम्रता की शक्ति है। इंसान को अपमान से नहीं, स□मान से बदला जा सकता है। जब हम किसी को उसकी इज़्ज़त का एहसास कराते हैं, तब उसका हृदय स्वयं बदल जाता है। उस दिन घर के सभी लोगों ने समझ लिया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जिसमें अधिकार से अधिक विनम्रता और प्रेम हो। कठोर श□द जहाँ दीवारें खड़ी करते हैं, वहीं मधुर व्यवहार दिलों के दरवाज़े खोल देता है।

छात्र आंदोलन का जंतर-मंतर से राष्ट्रव्यापी हो जाना

नरेंद्र तिवारी

> जैसा की सत्ता पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डपली वाली गैंग, अर्बन नक्सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। ज़ब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आरम्भ कर दिया। यह शब्द भारतीय जनमानस को चुभने लगे।

जंतर मंतर से शुरू हुए छात्र आंदोलन का महज 25 दिनों मे राष्ट्वव्यापी हो जाना राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का विषय हो सकता है। अध्ययन के साथ यह सरकार के सोचने का विषय भी है की ज़ब देश मे चारो तरफ गुड़ फील महसूस किया जा रहा है, तो फिर ये अचानक देश की जनता को □या हुआ जो सरकार के विरोध मे इतने बड़े स्तर पर आंदोलित होने लगी। छात्रों का यह आंदोलन 20 से 25 दिनों मे भारत के आमजन का आंदोलन कैसे बन गया। सोच विचार और अध्ययन का विषय यह भी हो सकता है, ज़ब देश के मिडिया का बड़ा हिस्सा छात्रों के आंदोलन की गतिविधियों को प्रचारित और प्रकाशित करने से गुरेज कर रहा हो, तब इतने अल्प समय मे काकरोच जनता पार्टी का सन्देश गाँवगांव, घर घर तक कैसे पहुंचा, छात्र सहित छात्रों के अभिभावको ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया। आखिर कैसे जंतर मंतर पहुंचने के आह्वान पर स□पूर्ण भारत से लोग बिना किसी प्रबंध के स्वविवेक से निर्भय होकर दिल्ली के आंदोलन मे शामिल होने लगे, जो दिल्ली नहीं जा सके उन्होंने अपने शहर के आंदोलन मे जाना उचित समझा।

आंदोलन किसी निश्चित उद्देश्य या विचार की पूर्ति के लिए लोगो द्वारा किया गया संगठित और सामूहिक प्रयास होता है। इसका मु□य उद्देश्य अन्याय, शोषण, अव्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करना समाज, राजनीति और अर्थ व्यवस्था मे बदलाव लाना होता है। दिल्ली के जंतर मंतर पर उभरा आंदोलन शिक्षा व्यवस्था मे आमूलचूल परिवर्तन, नीट पेपर लिक मामले मे 22 छात्रों की आत्महत्याएं और लाखों छात्रों के अंधकार मे डूबते भविष्य की जवाबदेही लेते हुए भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तिफे की मांग को लेकर शुरू हुआ। यह आंदोलन नव गठित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले शुरू हुआ।

जैसा की स□ाा पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डपली वाली गैंग, अर्बन न□सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे श□दों से स□बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। ज़ब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आर□भ कर दिया। यह श□द भारतीय जनमानस को चुभने लगे। तिरंगा हाथ मे उठाकर भारत माता की जय जयकार करने वाले, देशभक्ति के तरानों पर झूमने वाले, अपने हाथों मे भगतसिंह और अ□बेडर की तस्वीर टाँगे युवाओं को स□ााधारी दल के नेताओं द्वारा लगातार अपमानित करना देश के छात्रों और आमजन को नागवार गुजरा। सोनम वांगचुग को भूख हड़ताल से जबरदस्ती उठाना भी आग मे घी का काम कर गया। सोश्यल मिडिया जंतर मंतर के वीडियो और संदेशो से भर गया। सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए सबसे बड़ा प्रयास एवं अलोकतान्त्रिक रवैय्या ज़ब सामने आया ज़ब 20 जुलाई को चलो संसद अभियान मे देश भर से शामिल छात्रछात्राओं और आमजन पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, अश्रुगैस के गोले छोड़े गए, रबर की गोलियों से हजारों छात्रछात्राओं को घायल किया गया। दिल्ली पुलिस की इस बर्बरता पूर्ण कार्यवाही के बाद देश भर मे सरकार के प्रति आमजन का गुस्सा फुट पड़ा।

जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन की सबसे बड़ी बात यह रही की यहाँ से वैज्ञानिक सोनम वांगचुग सहित, आंदोलन के कर्ता धर्ताओं ने गांधीगिरी को अपना हथियार बनाया पुलिस की सखूती के बावजूद देश की जनता से आंदोलन मे शामिल होने की अपील की जाती रही। जंतर मंतर के आंदोलनकारी देश के सामने सरकार की शिक्षा नीति मे दोष, इसमे परिवर्तन की संभावना, नीट पेपर लिक मामले मे सरकार की विफलता बताने मे कामयाब हुए। सोश्यल मिडिया पर चल रहे इस वैचारिक छात्र आंदोलन को सरकार और गोदी मिडिया लगातार दबाने के प्रयास करता रहा। इस आंदोलन मे छात्रों की मुखरता, निडरता और प्रतिबद्धता के साथ सरकार के स□त रुख से टकराने की भावना आमजन मे आंदोलन मे शामिल होने और छात्रों के साथ खडे रहने की भावना पैदा कर गयी। जंतर मंतर के छात्र आंदोलन मे अनेको विरोधी विचारों के बावजूद भी देश प्रथम की भावना देखी गयी। आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने के बहुत से कारणों मे आंदोलनकारियों का प्रजातंत्र के मु□य अस्त्र हड़ताल, भूख हड़ताल, आमरण अनशन और गांधीगिरी मे प्रबल विश्वास देखा गया। भारतीय संविधान, महापुरुषो और प्रजातात्रिक तौर तरीको ने इस आंदोलन को सरकार की स□ती और राष्ट्रीय मीडिया की अनदेखी के बावजूद भी जन आंदोलन मे बदलने मे सफलता मिल पाई है। इसे सफल कहने के पीछे अब आंदोलन के प्रति सरकार का उदार होना देश के प्रधानमंत्री द्वारा संदेश के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था मे सुधार के कदमो का जिक्र करना, सबसे बड़ी बात आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करने के प्रयास करना शामिल है।

देश के हु□मरानो को यह याद रखना चाहिए की सरकार प्रजातंत्र की देन है। प्रजातात्रिक तौर तरीको से ही चलाई जाना चाहिए। ज़ब सरकार मे जवाबदेही की भावना खत्म हो जाती है, तब ऐसे प्रजातांत्रिक आंदोलन जन्म लेते है। इतिहास गवाह है, स्वतंत्र भारत मे सरकार किसी भी दल या विचारों की हो, प्रजातांत्रिक मूल्यों पर कुठराघात देश की जनता सहन नहीं करती है।

मशीनों के युग में मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्ति : गुरु

कृति आरके जैन

` □ संसार प्रकाश के साधनों से जगमगा रहा हो, फिर भी मनुष्य का अंतर्मन अज्ञान, भ्रम और बेचैनी के अंधकार से घिरा हो, तब गुरु का महत्व और बढ़ जाता है। आज सूचनाओं का महासागर है, पर सत्य की निर्मल धारा दुर्लभ होती जा रही है। तकनीक ने जीवन सरल बनाया है, किंतु आत्मिक शांति और सही दिशा की खोज गहरी हुई है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि चेतना जागरण का वह अवसर है, जो मनुष्य को भीतर छिपे प्रकाश से परिचित कराता है। पूर्ण चंद्रमा की शीतल आभा संदेश देती है कि अंधकार प्रकाश के सामने टिक नहीं सकता। गुरु वह दिव्य ज्योति है, जो भ्रम हटाकर सत्य का मार्ग दिखाती है और जीवन को उद्देश्य से जोड़ती है। सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि भीतर सोई चेतना को जगाकर श्रेष्ठ स्वरूप पहचानने की प्रेरणा देता है। युग बदले, साधन बदले, पर मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता सही दिशा है। आज स्क्रीन की रोशनी में आंखें जाग रही हैं, पर भीतर का प्रकाश मंद पड़ रहा है। संबंध बढ़े हैं, संवाद घटा है; जानकारी बढ़ी है, पर समझ कम हुई है। ऐसे समय में गुरु शिष्य संबंध केवल परंपरा नहीं, चेतना जागृत करने वाली शक्ति है। गुरु केवल श□दों का ज्ञान नहीं देता, वह शिष्य के भीतर छिपे विश्वास, विवेक और सामर्थ्य को जगाता है। वह जीवन के कठिन मोड़ों पर दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है, जो शिष्य को भीड़ में खोने नहीं देता, बल्कि स्वयं की पहचान तक पहुंचाता है। सच्चा गुरु मार्ग नहीं थोपता, बल्कि शिष्य को अपना मार्ग चुनने योग्य बनाता है। यही संबंध पीढ़ियों को आगे बढ़ाकर भीतर से श्रेष्ठ बनाता है।

मनुष्य ने किताबों में ज्ञान खोजा, पर जीवन के गहरे सत्य प्रकृति ने बिना श□दों के सिखाए हैं। आज जब धरती अपने बदलते स्वरूप से मानव को चेतावनी दे रही है, तब समझने का समय है कि प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी शिक्षक भी है। वृक्ष त्याग का अर्थ बताते हैं, नदियां रुकावटों के बीच आगे बढ़ना सिखाती हैं, पर्वत मौन रहकर संघर्ष की शक्ति दिखाते हैं और आकाश सीमाओं से परे सोचने की प्रेरणा देता है। सदियों से प्रकृति देती रही, पर हमने उसे केवल लेने की दृष्टि से देखा। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, स□मान की गुरुदृष्टि से देखने की आवश्यकता है। विकास की वास्तविक पहचान वही है, जहां मानव प्रगति और प्रकृति का अस्तित्व एकदूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री बनें।

आज मनुष्य के पास हर सुविधा है, फिर भी मन के भीतर खालीपन बढ़ रहा है। बाहरी दुनिया जीतने की दौड़ में वह अंतर्मन की आवाज सुनना भूल गया है। चिंता, असंतोष और बेचैनी केवल परिस्थितियों नहीं, दृष्टिकोण की भी उपज हैं। ऐसे समय में गुरु वह शक्ति है, जो मन के अंधेरे को समझ का प्रकाश देती है। वह घावों को भरकर उन्हें जीवन की सीख में बदलने की क्षमता देता है। सच्चा गुरु संघर्षों से बचना नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलित और शांत रहना सिखाता है। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि जीवन का सबसे बड़ा उपचार बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि जागृत सोच, आत्मविश्वास और भीतर के प्रकाश को पहचानने में है। दुनिया बदलने की दौड़ में सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि हम आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि कहीं अपनी पहचान पीछे न छोड़ दें। संस्कृति केवल रीतिरिवाजों का संग्रह नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभव, विचार और जीवन मूल्यों की धारा है। गुरु परंपरा इसी धारा को आगे बढ़ाने वाली शक्ति है, जो अलगअलग स□यताओं को ज्ञान के सूत्र से जोड़ती है। भाषा, वेश और परंपराएं भले अलग हों, पर सत्य, करुणा और ज्ञान का भाव हर जगह एक होता है। गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि जड़ों से जुड़े रहकर ही हम विश्व को वास्तविक अर्थों में जोड़ सकते हैं। विविधता हमारी दूरी नहीं, मानवता की सुंदर पहचान है।

मानव ने मशीनों को सोचने की क्षमता दे दी, पर उन्हें महसूस करने की शक्ति नहीं दे सका। यही अंतर आने वाले समय में गुरु की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिम□ाा सूचनाओं का संसार खोल सकती है, लेकिन सही और गलत के बीच अंतर करने का विवेक नहीं जगा सकती। आज आवश्यकता ऐसे मार्गदर्शकों की है, जो तकनीक की उड़ान को मानवता की जमीन से जोड़े रखें। ज्ञान की ऊंचाई तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और नैतिकता का प्रकाश हो। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि भविष्य का नेतृत्व मशीनें नहीं, बल्कि जागृत चेतना वाले मनुष्य करेंगे, जो तकनीक को नियंत्रित करें और उसके प्रभाव में स्वयं को न खोएं।

अपने भीतर के प्रकाश को पहचानना ही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है। जीवन की सच्ची ऊंचाई तब है, जब हमारी सोच किसी को प्रेरणा दे, श□द किसी टूटे मन को संबल दें और कर्म किसी के लिए आशा की किरण बन जाएं। हर मनुष्य में दूसरों के अंधकार को मिटाने की क्षमता छिपी है, बस उसे स्वार्थ से ऊपर उठकर पहचानने की आवश्यकता है। जब ज्ञान विनम्रता बने, शक्ति सेवा बने और जीवन प्रेरणा बन जाए, तभी गुरु परंपरा की सार्थकता सिद्ध होती है। स्वयं प्रकाश बनकर ही हम संसार में उजाला फैला सकते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदना नहीं,

शिक्षा तंत्र में शुचिता की नई राह

महेन्द्र तिवारी

भारत के शिक्षा जगत में पिछले कुछ समय से जिस तरह की उथल पुथल मची है, वह किसी से छिपी नहीं है। देश की सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा अर्थात नीट यूजी में हुए कथित पेपर लीक और उसके बाद उपजे विवाद ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। लाखों छात्रों का भविष्य, उनके माता पिता की जीवन भर की गाढ़ी कमाई और सालों की अथक मेहनत चंद रुपयों के लालच में दांव पर लग गई।

इस घटना ने हमारी परीक्षा प्रणाली की उन तमाम खामियों को उजागर कर दिया है जो दशकों से इस व्यवस्था को अंदर ही अंदर खोखला कर रही थीं। जब कोई छात्र दिन रात एक करके किसी परीक्षा की तैयारी करता है, तो उसके साथ पूरा परिवार जागता है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों से आने वाले कई परिवार तो अपनी जमीन जायदाद गिरवी रखकर बच्चों को कोचिंग के लिए बड़े शहरों में भेजते हैं। ऐसे में जब परीक्षा के दिन पता चलता है कि पर्चा तो पहले ही लाखों रुपये में बिक चुका है, तो केवल एक छात्र का सपना नहीं टूटता, बल्कि एक पूरे परिवार का वर्तमान और भविष्य दोनों अंधकार में डूब जाते हैं। यह स्थिति समाज में भयंकर हताशा और आक्रोश को जन्म देती है। सड़कों पर उतरे निराश और आक्रोशित छात्रों के नारों ने स□ाा के गलियारों तक यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचा दिया कि अब लीपापोती से काम नहीं चलने वाला है। इसी भारी जन दबाव और नैतिक जि□मेदारी को स्वीकार करते हुए अंततः केंद्रीय शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन किसी एक व्यक्ति का इस्तीफा इस गहरी और ढांचागत बीमारी का स्थायी इलाज नहीं हो सकता था। इस बात को समझते हुए अब सरकार ने कुछ ऐसे ठोस और दूरगामी कदम उठाए हैं जिनका उद्देश्य पूरी परीक्षा व्यवस्था को जड़ से साफ करना और उसमें फिर से जनता का विश्वास बहाल करना है।

इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा कदम प्रधानमंत्री द्वारा एक उच्चाधिकार प्राप्त विशेष टास्क फोर्स का गठन है। इस टास्क फोर्स की कमान देश के जाने माने तकनीकी विशेषज्ञ और आधार परियोजना को सफलतापूर्वक लागू करने वाले इंफोसिस के सह संस्थापक नंदन नीलेकणि को सौंपी गई है। यह नियुक्ति अपने आप में बहुत कुछ कहती है। सरकार अब यह पूरी तरह से समझ चुकी है कि पुरानी नौकरशाही और पारंपरिक तरीकों से शिक्षा माफियाओं के इस हाई टेक नेटवर्क को नहीं तोड़ा जा सकता है। आज के समय में पेपर लीक करने वाले गिरोह डार्क वेब, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और आधुनिक संचार उपकरणों का बेधड़क इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में उनका मुकाबला करने के लिए व्यवस्था को भी तकनीकी रूप से उनसे दस कदम आगे रहना होगा। नीलेकणि के नेतृत्व वाली यह समिति मु□य रूप से प्रश्नपत्र सेट होने से लेकर उसके प्रिंट होने, परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने, परीक्षा के आयोजन और अंततः परिणाम घोषित होने तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने का खाका तैयार करेगी। इस समिति में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ, इंटेलिजेंस □यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी जैसे दिग्गजों को भी शामिल किया गया है।

नेनो बीफ्र

फूलों की खेती से बदली किसान हरीश पाटीदार की तकदीर

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण, उद्यानिकी फसलों तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम नीमच जिले के ग्राम हाड़ी पिपलिया के प्रगतिशील किसान हरीश पाटीदार की सफलता के रूप में सामने आया है।

रफ्तार में दौड़ रही कार ने गाय कुचला, मौत

इंदौर। देहात थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार में दौड़ रही कार ने सड़क किनारे बैठी गाय को कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा से इंदौर की तरफ तेज गति से आ रही कार ने सड़क किनारे बैठी एक गाय को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया।

कुशाग्र कनौजिया के निधन पर श्रद्धांजलि

देवास। किंग जॉर्ज स्कूल डायरेक्टर सुश्री अलका कनौजिया के भतीजे कुशाग्र कनौजिया का 33 वर्ष की आयु में दिनांक 24 जुलाई 2026 को आकस्मिक निधन हो गया। उनकी शवयात्रा बजरंग नगर स्थित किंग जॉर्ज स्कूल परिसर से दिनांक 26 जुलाई को सुबह निकली जिसमें बड़ी संख्या में परिजनों, रिश्तेदारों और गणमान्यजनों ने भाग लेकर अंतिम विदाई दी।

पर्याप्त वर्षा की कामना से महाकालेश्वर महादेव का जलाभिषेक

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

पर्याप्त वर्षा, विश्वशांति, स्वच्छ पर्यावरण तथा जन-जन के सुख-समृद्धि की मंगलकामना के साथ रविवार को बिलावली स्थित महाकालेश्वर महादेव मंदिर में विशेष जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव की आराधना कर प्रदेश और देश की खुशहाली की प्रार्थना की। नेशनल यूनिटी ग्रुप के संस्थापक अनिल सिंह ठाकुर ने बताया कि पंडित तुलेश तिवारी के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्री महाकालेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया।

इसके पश्चात विधिवत पूजा-अर्चना, महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मोहन पालीवाल, खुमान सिंह बैस, जितेंद्र मारू, रघुनंदन समाधियां, राहुल परमार, किशोर केवट एवं जगदीश माली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन 50 पदक जीतकर बढ़ाया गौरव

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में न्यू एरा पब्लिक स्कूल, मकोड़िया के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 50 पदक अपने नाम किए। विद्यालय के खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण, 20 रजत एवं 20 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम भी गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। संचालक हरपाल सर ने सभी विजेता खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर सफलता दिलाने पर शुभकामनाएं दीं।

समाजवादी पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर मनाया जश्न

कहा- छात्रों के संघर्ष की हुई जीत

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा में पेपर लीक संबंधी मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समाप्त होने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद समाजवादी पार्टी ने इसे छात्रों और लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताते हुए देवास में जश्न मनाया।

समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष बी.एल. यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सयाजी द्वार पर एकत्र होकर मिठाइयां बांटी और खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए आंदोलन में शामिल विद्यार्थियों के संघर्ष को सलाम किया।

प्रदेश सचिव अनिल सिंह पवार ने कहा कि यह जीत केवल समाजवादी पार्टी की नहीं, बल्कि देशभर के उन लाखों विद्यार्थियों और युवाओं की है, जिन्होंने अपने अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि छात्रों के लंबे आंदोलन और जनदबाव के कारण सरकार को झुकना पड़ा।

अनिल सिंह पवार ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वागत योग्य कदम है, लेकिन केवल इस्तीफा देने से उनकी नीतियों और फैसलों की जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती।

इस दौरान लीलाधर चौधरी, अजीज जागीरदार, इंद्रसेनराव निमोणकर, शिवनारायण यादव, सुनील शर्मा, सफीलउल्ला अंसारी, सपंतराम जी, सियाराम चंद्रवंशीय सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित

नीमच। महिला एवं बाल विकास विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार -के लिए ऑनलाइन नामांकन कराने की अपील की है। भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। यह पुरस्कार साहस, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित छह श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रदान किया जाता है। पात्रता के अनुसार 31 जुलाई तक बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम होना आवश्यक है तथा संबंधित क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि होना चाहिए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के संबंधित विभागों, शिक्षण संस्थानों, स्थानीय निकायों एवं बाल देखरेख संस्थाओं से ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए सक्रिय मनोज श्रीवास्तव ने नई जिम्मेदारी मिली..

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लंबे समय से सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता मनोज श्रीवास्तव को समग्र शिक्षा अभियान की जिला स्तरीय अनुदान समिति का अशासकीय सदस्य मनोनीत किया गया है।

उनके मनोनयन से शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मनोज श्रीवास्तव पिछले कई वर्षों से शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने और उन्हें शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

उनके प्रयासों से हजारों बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल चुका है। जिला स्तरीय अनुदान समिति में सदस्य मनोनीत होने पर मनोज श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार तथा भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्यापारी सहित चार घरों के ताले तोड़े, लाखों के जेवर ले गए

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

शहर में पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस की सुस्ती और निष्क्रियता के चलते शहर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

आए दिन हो रही इन घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्त के दावों की पोल खोलकर रख दी है। बेखौफ चोरों ने एक ही रात में व्यापारी समेत चार अलग-अलग घरों के ताले तोड़कर लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया और आसानी से रफूचक्कर हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार लसूडिया थाना क्षेत्र (सिल्वर पार्क कॉलोनी) मैं रहने वाले अनाज व्यापारी सौरभ पिता बलराम पाटड़िया के सूने घर को चोरों ने निशाना बनाया। परिवार रिश्तेदार के यहां बाहर जाने पर चोरों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर टीवी शोकेस, मंदिर, फर्नीचर, सोने की चार चूड़ियां, तीन चेन, पेंडेंट, दो अंगूठियां, सोने-चांदी के सिक्के और 45 हजार रुपये नकद चुरा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र (नर्मदा कॉलोनी) मैं रहने वाले निजी कंपनी में मैनेजर आशुतोष पिता ओमप्रकाश शर्मा परिवार सहित तीर्थ यात्रा पर गए थे। 24 जुलाई को लौटने पर उन्हें चोरी का पता चला। चोर उनके घर से तीन लाख से अधिक के सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एरोड्रम थाना क्षेत्र मैं रहने वाले राहुल पिता रामचंद्र सोनी को अपना जन्मदिन मनाना काफी महंगा पड़ा। फरियादी परिवार सहित उज्जैन बर्थडे मनाने गए थे, पीछे से चोर उनके घर से दो लाख से अधिक के जेवर और नकदी चुराकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वही विजयनगर थाना क्षेत्र (स्कीम नंबर 78) मैं चोरी की घटना हुई. निजी स्कूल की शिक्षिका अंजलि पति जितेंद्र चौहान के घर को चोरों ने निशाना बनाया।

सीआरपीएफ के 88वें स्थापना दिवस पर आरटीसी बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

रंगों से देशभक्ति, पौधों से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नीमच।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 88वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आरसीडब्लूए आरटीसी नीमच द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा कलर ऑफ करेज विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आरटीसी परिसर के बच्चों के साथ-साथ नीमच जिले के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से साहस, देशभक्ति, प्रकृति संरक्षण एवं सामाजिक मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम स्थान पर धानशिका (कक्षा 4, के.वी. स्कूल नीमच), दिव्यांश हरित (कक्षा 7, कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल) एवं जयाज पंत (कक्षा 9, कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल) रहे। द्वितीय स्थान रुहान (कक्षा 4, के.वी. क्रमांक-1 नीमच), फाल्गुनी विशुआ (कक्षा 7, कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल) एवं निदा (कक्षा 12, संदीपनी शासकीय विद्यालय) ने प्राप्त किया।

6वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता संपन्न खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

कराटे एसोसिएशन ऑफ देवास द्वारा आयोजित 6वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का भव्य आयोजन भोपाल रोड स्थित सन थोम अकादमी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं कराटे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कराटे एसोसिएशन ऑफ देवास के अध्यक्ष एवं कराटे इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवास महाराज श्रीमंत विक्रमसिंह पवार ने सभी खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों को प्रतियोगिता की सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजेश यादव (एल्डरमैन), हरीश देवलिया (एल्डरमैन), खेल प्रकोष्ठ के आकाश अवस्थी, समाजसेवी जितेन वर्मा, पार्षदपति संजय सेंधव, सन थोम अकादमी के प्राचार्य पुनीत उपाध्याय, अखिलेश माली, विद्यालय के खेल शिक्षक सौरभ, देवराज संगठन के दीपक बामनिया, यज्ञेश चौधरी, सचिन परिहार, राजीव चौहान, यश मकवाना, हिमांशु चौधरी, यश शर्मा, राहुल वर्मा, अमीषा पटेल, कृति बेस, अंजलि दवे, भूमि पटेल, कोमल एवं स्वाति सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक पौधा कलाम के नाम के तहत पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

देवास शहर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा मिसाइल मैन और भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम में डॉ. कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर खड़िराजे-अकीदत पेश की गई। साथ ही एक पौधा कलाम के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम अपने संबोधन कहा की सपने वो नहीं जो नींद में आते हैं,सपने वो होते हैं जो तुम्हें सोने नहीं देते।

अस्पताल में कबाड़ बना खतरा, पेड़ पर चढ़ा सांप

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

जिला अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर के पास वर्षों से जमा कबाड़ अब सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इस कबाड़ के कारण परिसर में सांप और अन्य जीव-जंतुओं के निकलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में वन स्टॉप सेंटर के समीप एक सांप पेड़ पर चढ़ता देखा गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

इस घटना के बाद केंद्र में कार्यरत महिला स्टाफ और वहां आश्रय लेने वाली बालिकाओं में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, यह पहली घटना नहीं है; कुछ दिन पहले भी वन स्टॉप सेंटर के आसपास सांप दिखाई दिया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से केंद्र में रहने और काम करने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वन स्टॉप सेंटर पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को अस्थायी आश्रय प्रदान करता है, और महिला कर्मचारी भी यहां कार्यरत रहती हैं।

बताया जा रहा है कि परिसर में पड़े कबाड़ को हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित में अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक गीता ठाकुर ने बताया कि कबाड़ हटाने के लिए अधिकारियों को कई बार लिखित रूप से सूचित किया जा चुका है। स्थानीय लोगों और स्टाफ ने मांग की है कि अस्पताल परिसर से इस कबाड़ को तत्काल हटाकर साफ-सफाई कराई जाए, ताकि केंद्र में रहने वाली महिलाओं, बालिकाओं और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

108 एम्बुलेंस की त्वरित सेवा से बची चार घायलों की जान, जमीनी विवाद में घायल हुए थे लोग

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

जिले की टोंकखुर्द तहसील के ग्राम भुतियाखुर्द में शनिवार को जमीनी विवाद के चलते दो परिवारों के बीच हुए हिंसक संघर्ष में एक पक्ष के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद 108 एम्बुलेंस सेवा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया, जिससे उन्हें शीघ्र चिकित्सा मिल सकी। जानकारी के अनुसार, रात्रि 9.56 बजे भोपाल स्थित 108 एम्बुलेंस मुख्यालय से सूचना मिलते ही बीएनपी थाना क्षेत्र की 108 एम्बुलेंस मौके के लिए रवाना हुई। ईएमटी सुनील मालवीय और पायलट सोनू यादव एंबुलेंस लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टोंकखुर्द पहुंचे ओर घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए बिना समय गंवाए उन्हें सुरक्षित जिला अस्पताल देवास पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार सभी चारों घायलों का उपचार जारी है तथा उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। समय पर पहुंची 108 एम्बुलेंस सेवा की तत्परता और कर्मचारियों की सजगता से घायलों को शीघ्र उपचार मिल सका। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से लोडिंग रिक्शा पलटा, दो लोग घायल

इंदौर। सांवेर थाना क्षेत्र (इंदौर-उज्जैन रोड) पर बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने लोडिंग रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे लोडिंग रिक्शा सड़क पर पलट गया। इस दुर्घटना में चालक सुरेश (45 वर्ष, पिता गेंदालाल वर्मा) और उनके साथी विनोद पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नन्हे सैनिकों ने मनाया कारगिल विजय दिवस शहीदों को दीप प्रज्वलित कर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय हिंदी मेल, देवास।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हिन्द फौज के नन्हे सैनिकों ने देश के वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को नमन किया गया।

हिन्द फौज कमांडर सीएसएम जितेन्द्र गोस्वामी ने बताया कि 26 जुलाई 1999 को कारगिल की दुर्गम एवं ऊंची पहाड़ियों पर भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान के कारण देश को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई थी।

इस युद्ध में 500 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्हीं अमर वीरों की स्मृति में हिन्द फौज के नन्हे सैनिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हिन्द फौज शिक्षा संचालन श्रीजा अग्रवाल एवं देवास जिला मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल ने खिलाड़ियों को कारगिल युद्ध के शौर्य, भारतीय सेना के पराक्रम और देशभक्ति के महत्व की जानकारी दी तथा युवाओं से राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र भदोरिया, हिन्द फौज संचालक सुरेश शर्मा, कुमेर सिंह वर्मा, दीपिका बोरीवाल, हिन्द फौज रक्तदान संचालक सीमा गिरी, विकास गिरी, हिन्द फौज योगा संचालक चंद्रशेखर तिवारी।

मोना तिवारी, हिन्द फौज एथलेटिक प्रशिक्षक संचालक ताशीन शेख, हिन्द फौज एथलेटिक संचालक सृजनिका लोखंडे, अजय दायमा एवं आरती दायमा सहित हिन्द फौज के पदाधिकारी, प्रशिक्षक और नन्हे सैनिक उपस्थित रहे। संचालन हिन्द फौज सैनिक रीना पटेल ने किया।

आयुष विभाग के निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों में 77 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

नीमच। आयुष विभाग के अंतर्गत जिले में संचालित शासकीय आयुर्वेदिक औषधालयों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित कर आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पिपल्या रावजी एवं शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय अलोरी गरवाड़ा द्वारा अलग-अलग ग्रामों में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए, जिनमें कुल 77 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पिपल्या रावजी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-3 में आयोजित शिविर में त्वचा रोग, उदर रोग, नेत्र रोग, श्वास-कास, अम्लपित्त, अग्निमांद्य, विबंध, स्त्री रोग, संधिवात, चर्म रोग तथा नाक-कान-गला संबंधी रोगों की जांच एवं उपचार कर मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही आंगनवाड़ी के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। शिविर में 36 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इसी प्रकार शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय अलोरी गरवाड़ा द्वारा ग्राम बल्दरखा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित शिविर में आमवात, संधिवात, त्वचा रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास-कास, प्रतिश्याय, रक्ताल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श, अम्लपित्त एवं प्रमेह सहित विभिन्न रोगों की जांच कर मरीजों को निःशुल्क औषधियां वितरित की गईं। शिविर में बीपी की निःशुल्क जांच भी की गई।

किसानों को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

किसानों की पूरी मूंग नहीं खरीदी तो मंत्रियों के बंगले घेरेगी कांग्रेस

भोपाल। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने मध्य प्रदेश के मीडिया से चर्चा में किसानों की बदहाल स्थिति, मूंग खरीदी में सरकारी विफलता, फसल बीमा घोटाले, खाद संकट तथा किसानों के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है।उनके साथ प्रवक्ता स्वदेश शर्मा, अभिनव बरोलिया, कुंदन पंजाबी, विवेक त्रिपाठी एवं राहुल राज उपस्थित रहे।

चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार एक ओर 'किसान कल्याण वर्ष' मनाने का ढोंग कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश का किसान सबसे अधिक शोषित, प्रताड़ित और उपेक्षित है। सरकार की नीतियां किसानों की आय बढ़ाने के बजाय उन्हें दलालों और माफियाओं के हवाले करने का काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इस वर्ष लगभग 20 लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन हुआ है, लेकिन सरकार ने केवल 4.5 लाख मीट्रिक टन यानी लगभग 25 प्रतिशत खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया। एक महीने की अवधि में सरकार केवल 36,682 मीट्रिक टन मूंग ही खरीद सकी है। यह कुल उत्पादन का 2 प्रतिशत भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खरीदी की गति धीमी रख रही है ताकि कर्ज और आर्थिक संकट से जूझ रहे किसान अपनी उपज औनेपौने दामों पर बेचने को मजबूर हो जाएं। बाद में यही फसल दलाल और भाजपा समर्थित व्यापारी सरकार को समर्थन मूल्य पर बेचकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाएंगे। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी के दौरान भी यही खेल खेला गया था। प्रदेश में लगभग 365 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ, लेकिन सरकार ने मात्र 16 लाख मीट्रिक टन यानी लगभग 28 प्रतिशत गेहूं ही खरीदा।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब सात किसान संगठन शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर भोपाल आ रहे थे, तब भाजपा सरकार ने पुलिस बल और दमन का सहारा लेकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। चौधरी ने कहा यदि किसानों की पूरी मूंग समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी गई, तो कांग्रेस पार्टी और सभी किसान संगठन संयुक्त रूप से प्रदेशभर में आंदोलन करेंगे तथा सरकार और जिम्मेदार मंत्रियों के बंगलों का घेराव करेंगे।

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी बनेगी विश्वस्तरीय संरक्षण एवं पर्यटन केंद्र

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विस्तार व उन्नयन कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के विस्तार एवं उन्नयन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मास्टर प्लान के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफारी का विकास पर्यटन के साथ साथ वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, अनुसंधान और जनजागरूकता को नई दिशा देगा।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2026 27 से 204546 तक की अवधि के लिए तैयार मास्टर प्लान पर चर्चा की गई। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) के दिशा निर्देशों के अनुसार वर्तमान

121.99 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ 119.87 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि जोड़कर सफारी का कुल क्षेत्रफल 241.86 हेक्टेयर करने का प्रस्ताव है। उप मुख्यमंत्री ने आधुनिक एवं प्राकृतिक वातावरण वाले पशु बाड़े, संरक्षण प्रजनन केंद्र, वन्यजीव रेस्क्यू सुविधाएं, पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं तथा वन्यजीव संरक्षण आधारित इंटरएक्टिव एजुकेशन सेंटर विकसित करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य पशु कल्याण, प्राकृतिक आवास, पर्यावरणीय स्थिरता और बेहतर विजिटर मैनेजमेंट को ध्यान में रखकर किए जाएं। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) समीता राजौरा वास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनाज भंडारण क्षमता में एमपी टॉप-5 राज्यों में, पंजाब-हरियाणा भी पीछे

भोपाल। मध्य प्रदेश अब केवल रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन ही नहीं, बल्कि सरकारी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के मामले में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। संसद में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 202425 में प्रदेश की खाद्यान्न भंडारण क्षमता 34.94 लाख मीट्रिक टन (3,493.80 हजार टन) है, जिससे मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में पहुंच गया है।

राज्यसभा में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के लिखित उत्तर के अनुसार भंडारण क्षमता के मामले में मध्य प्रदेश पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों से आगे है। प्रदेश से केवल उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल आगे हैं।

देश में वर्ष 202425 के दौरान एफसीआई, राज्य एजेंसियों और अन्य व्यवस्थाओं को मिलाकर कुल 5.55 करोड़ मीट्रिक टन खाद्यान्न भंडारण क्षमता उपलब्ध है। इसमें मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 6.3 प्रतिशत है। विशेषज्ञों के अनुसार भंडारण क्षमता बढ़ने से सरकारी खरीद के दौरान अनाज के सुरक्षित संरक्षण, परिवहन व्यवस्था में सुधार और किसानों से खरीदे गए गेहूं एवं अन्य खाद्यान्न के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलेगी।

एक सप्ताह में निराकरण नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी मामलों पर जिला प्रशासन सख्त

भोपाल। जिला प्रशासन ने सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित शिकायतों का अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। चेतावनी दी गई कि समयसीमा का पालन नहीं करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर सुमित पांडे, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी, अपर कलेक्टर महेंद्र कवचे तथा अपर कलेक्टर प्रकाश नायक ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की प्रगति पर विशेष चर्चा हुई। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय के साथ मिशन मोड में अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने भानपुरकेकड़िया क्षेत्र में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, सिकल सेल कार्ड वितरित करने, मरीजों की काउंसलिंग कराने तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 'सिकल मित्र' तैयार करने पर जोर दिया।

मानसून के दौरान बढ़ने वाली बीमारियों की रोकथाम को लेकर भी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को संयुक्त कार्ययोजना बनाकर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी अभियान चलाने को कहा गया। साथ ही कुपोषण की रोकथाम और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन के तहत संचालित एकल एवं समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि मानसून के दौरान शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जल योजनाओं के रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

अपर कलेक्टर सुमित पांडे ने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयसीमा पार कर चुके सभी मामलों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण हर हाल में किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में सभी विभाग प्रमुखों को अपनेअपने विभागों की नियमित साप्ताहिक समीक्षा करने, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और जिले के समग्र प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

युवा संगम बना रोजगार का बड़ा मंच, 3.62 लाख युवाओं को मिला अवसर

भोपाल। राज्य सरकार की युवा संगम पहल युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप से जोड़ने का प्रभावी मंच बन रही है। नवंबर 2024 से जून 2026 के बीच प्रदेश के सभी जिलों में 1012 युवा संगम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 3 लाख 62 हजार 799 युवाओं को रोजगार, अप्रेंटिसशिप और स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ा गया।

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा एमएसएमई विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित इन कार्यक्रमों में 1 लाख 81 हजार 248 युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के ऑफर लेटर मिले, 17 हजार 887 युवाओं का अप्रेंटिसशिप के लिए चयन हुआ, जबकि 1 लाख 63 हजार 664 युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ मिला। युवा संगम के तहत

रोजगार मेला, रोजगार दिवस और अप्रेंटिसशिप मेले को एक मंच पर लाकर युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप नौकरी, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रोजगार के साथसाथ इन आयोजनों में नशा मुक्ति अभियान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए प्रदेश में रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार करना है।

चित्रांश गायकों ने सदाबहार फिल्मी गीतों से बांधा समां

रिमझिम गिरे सावन 2.0 में मुकेश को संगीतमय श्रद्धांजलि

भोपाल। कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित सांगीतिक संध्या 'रिमझिम गिरे सावन 2.0' में रविवार को स्वर्गीय मुकेश की 103वीं जयंती पर उन्हें सदाबहार फिल्मी गीतों के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेहरू नगर के सभागार में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना (आईएएस) थे। विशेष अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के महानिदेशक अनिल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव तथा प्रसिद्ध भजन गायक रवि खरे उपस्थित

रहे। संगीतमय शाम में करीब 30 चित्रांश गायकों ने स्व. मुकेश के साथसाथ किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर और आशा भोसले के लोकप्रिय फिल्मी गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बरसात के सुहाने मौसम में प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

संस्था के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थम समाज के प्रतिभाशाली गायकों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह आयोजन करता है। यह कार्यक्रम कायस्थ समाज के गौरव एवं महान पार्श्व गायक स्व. मुकेश चंद्र माथुर की जयंती अथवा पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उनकी 103वीं जयंती के उपलक्ष्य में गीतसंगीत की विशेष महफिल सजाई गई, जिसमें चित्रांश कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में चित्रांश समाज के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी भी उपस्थित रहे।

रीवा संस्कृत परिसर में नए सत्र से शुरू होंगे सभी पाठ्यक्रम

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, रीवा के सुदृढ़ीकरण की समीक्षा की। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र से सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं गैरशैक्षणिक पदों के शीघ्र सृजन तथा समयबद्ध भर्ती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यूजीसी के मानकों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और अकादमिक सुविधाओं के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए। श्री शुक्ल ने कहा कि यह परिसर संस्कृत, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन और भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन, अध्यापन एवं शोध का प्रमुख केंद्र बनेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पायलट की छुट्टी से बिगड़ी कश्मीर यात्रा, एयर इंडिया पर 96 हजार रुपए का जुर्माना

भोपाल। भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने एयर इंडिया को छह वरिष्ठ नागरिक यात्रियों को 96 हजार रुपए (90 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 6 हजार रुपए वाद व्यय) देने का आदेश दिया है। आयोग ने उड़ान में अंतिम समय पर बदलाव और पर्याप्त सहायता नहीं देने को सेवा में कमी माना। मामले के अनुसार, भोपाल के छह यात्रियों ने 11 मई 2024 की भोपालदिल्लीश्रीनगर और 17 मई की वापसी यात्रा के लिए करीब 1.18 लाख रुपए में टिकट बुक किए थे। इसके आधार पर श्रीनगर, पहलगाम और गुलमर्ग में होटल, हाउसबोट, टैक्सी और अन्य पर्यटन सेवाओं की अग्रिम बुकिंग भी कर ली थी। यात्रा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले एयर इंडिया ने सूचना दी कि उड़ान अगले दिन संचालित होगी। इससे पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रभावित हो गया और यात्रियों को होटल, टैक्सी तथा रेलवे टिकट दोबारा बुक कराने पड़े। सुनवाई के दौरान एयरलाइन ने उड़ान में देरी का कारण बर्ड स्ट्राइक बताया, लेकिन आयोग के समक्ष इसका कोई ठोस प्रमाण पेश नहीं कर सकी। यात्रियों का दावा था कि पायलट के अवकाश पर होने के कारण उड़ान प्रभावित हुई थी। आयोग ने एयर इंडिया को आदेश की तारीख से दो माह के भीतर 8 दिसंबर 2024 से 7% वार्षिक साधारण ब्याज सहित पूरी राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

स्टाइपेंड पर बातचीत की उम्मीद: जूडा ने एक दिन टाली भूख हड़ताल, आंदोलन जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के एमबीबीएस इंटर्न और भावी इंटर्न स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखे हुए हैं। सोमवार से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को फिलहाल मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त एस. धनराजू ने जूडा के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा के लिए बुलाया है, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गांधी मेडिकल कॉलेज में डॉ. कृष्णा और डॉ. संकेत सोमवार से भूख हड़ताल शुरू करने वाले थे। जूडा का कहना है कि आयुक्त ने उनकी मांगों पर गंभीरता से चर्चा का भरोसा दिया है, इसलिए फिलहाल भूख हड़ताल एक दिन के लिए टाल दी गई है।

हालांकि, जूडा ने स्पष्ट किया है कि केवल भूख हड़ताल स्थगित की गई है। कार्यबहिष्कार, आंदोलन और अन्य विरोध कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेंगे। संगठन का कहना है कि नियमित कार्य तभी शुरू होगा, जब स्टाइपेंड बढ़ाने संबंधी मांगों पर सक्षम स्तर से लिखित आश्वासन मिलेगा। गौरतलब है कि प्रदेश के एमबीबीएस इंटर्न वर्तमान में 14,337 रुपए मासिक स्टाइपेंड प्राप्त कर रहे हैं। जूडा की मांग है कि इसे बढ़ाकर 30,000 रुपए किया जाए। अब सभी की नजर मंगलवार को आयुक्त और जूडा के बीच होने वाली बैठक पर रहेगी, जिससे आंदोलन की आगे की दिशा तय होगी।

सिरोंज से मिली उर्दू अदब को नई पहचान

- डॉ. अंजुम बाराबंकवी पर विशेषांक का विमोचन
- डॉ. महताब बोले– अदबी मामलों में भोपाल को भी सिरोंज की ओर देखना पड़ रहा है

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'इन्तसाब' में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शायर डॉ. अंजुम बाराबंकवी पर केंद्रित विशेषांक का सिरोंज में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित साहित्यिक गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि उर्दू अदब की नई और गंभीर गतिविधियां अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सिरोंज जैसे छोटे शहर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. महताब आलम ने कहा कि गोपीचंद नारंग, निदा फ़ाज़ली, चंद्रभान ख़याल और डॉ. बशीर बद्र जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों को स्थान देने वाली पत्रिका इन्तसाब में डॉ.

अंजुम बाराबंकवी को शामिल किया जाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह कार्य भोपाल के बजाय सिरोंज से संभव हुआ, जो उर्दू अदब के प्रति वहां की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सिरोंज के लगभग एक हजार वर्ष पुराने साहित्यिक इतिहास का उल्लेख करते हुए विशेषांक के संपादक डॉ. सैफी सिरोंजी के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त डीजीपी एम.डब्ल्यू. अंसारी थे। 'डॉ. अंजुम बाराबंकवी : शख्स और अक्स' विषय पर आयोजित परिचर्चा में विजय तिवारी, फरहान खान, डॉ. कमर अली शाह, खान अशु, तसनीम राजा और सैयद नुसरत अली सहित कई साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुशायरे का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. अंजुम बाराबंकवी, साजिद प्रेमी, साजिद हाशमी, हबीब सरवर, सोहैल उमर, सिराज खान और वली उल्लाह वली ने अपना कलाम पेश किया। श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन स्तुति अग्रवाल ने किया। उर्दू भाषा पर उनकी प्रभावशाली पकड़ और शायरी की प्रस्तुति को खूब सराहा गया। वे उर्दू विषय पर पीएचडी कर रही हैं।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप : ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता गोल्ड, मनु भाकर को मिला कांस्य

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

चीन के हांगझू में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। भारतीय निशानेबाजों ने टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर को ईशा सिंह ने पीछे छोड़कर गोल्ड अपने नाम कर लिया। भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और इसी के साथ भारत ने डबल पोडियम हासिल किया। क्वालीफिकेशन राउंड में भी भारत के शूटर्स ने कमाल किया।

क्वालीफिकेशन राउंड में भारतीय निशानेबाजों ने अपनी ताकत दिखाई। मनु भाकर ने 586-20× के स्कोर के साथ टॉप पर जगह बनाई। ईशा सिंह सिर्फ एक पॉइंट पीछे 585-18× के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। राहि सरनोबत ने भी 582-16× का अच्छा स्कोर किया। फाइनल में पहुंचने वाली आठ निशानेबाजों में तीन भारतीय

खिलाड़ी शामिल थीं।

फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। ईशा सिंह ने पूरे समय शांति बनाए रखी और 40 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। मनु भाकर को एक शूट-ऑफ जीतकर आगे बढ़ना पड़ा लेकिन अंत में वे 28 हिट्स के

साथ ब्रॉन्ज मेडल पर संतोष करना पड़ा। ईशा ने पिछले कुछ समय से लगातार शानदार खेल दिखाया है और भारत के लिए मेडल जीता है। ईशा सिंह ने मैच के बाद बताया कि मुंबई में हाल ही में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड के बाद इस बार दबाव ज्यादा था। उन्होंने कहा, पिछले अच्छे प्रदर्शन के कारण इस मैच में काफी दबाव महसूस हुआ। जितना बेहतर प्रदर्शन करते हो, उतनी ज्यादा उम्मीदें बढ़ जाती हैं। मैं खुश हूं कि इस दबाव को झेलकर मैं स्वर्ण पदक जीत सकी। उन्होंने हांगझू वेन्यू को भी खास बताया। 2023 एशियाई खेलों में यहीं चार पदक जीतने वाली ईशा को इस वेन्यू से अच्छी यादें हैं। परिचित रेंज, लाइटिंग और माहौल ने उन्हें फायदा पहुंचाया।

मनु भाकर गोल्लेड नहीं जीत सकी लेकिन कांस्य पदक को काफी अहम माना। उनका मानना है कि वे इससे सीख लेकर आगे बढ़ेंगी और आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा, यह पदक बहुत महत्वपूर्ण है। यह मुझे बताता है कि क्या काम कर रहा है और आगे किस दिशा में काम करना है।

रजत जीतने पर मुथुपंडी को सीएम विजय ने दिया 30 लाख का इनाम

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में पुरुषों के 65 किग्रा में रजत पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपंडी के लिए 30 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। एथलीट को उनकी कामयाबी पर बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के लिए है। सीएम ने भरोसा जताया कि उनकी कामयाबी राज्य के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में रजत पदक जीतने के लिए राजा मुथुपंडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है। उनकी यह उपलब्धि हमारे युवाओं को प्रेरणा दे। मैं उन्हें और भी कई जीत की शुभकामनाएं देता हूं जो तमिलनाडु और देश दोनों के लिए सम्मान लाएंगी।

मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक मैसेज के जरिए युवा वेटलिफ्टर को दिल से बधाई दी। उन्होंने मुथुपंडी के परफॉर्मेंस को एक रिकॉर्ड बनाने वाली कामयाबी बताया और कहा कि उन्हें राज्य के सबसे बड़े स्पोर्ट्स इंसेंटिव में से एक से सम्मानित किया जाएगा। राजा को उनकी सफलता पर देश की राष्टपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। राजा ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा+160 किग्रा) के साथ खत्म किया। राजा ने 125 किग्रा के सफल स्नैच से शुरुआत की और फिर अपनी दूसरी कोशिश में 126 किग्रा तक सुधार किया। वह अपनी आखिरी लिफ्ट में 129 किग्रा क्लियर नहीं कर पाए।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मीराबाई चानू ने जीत स्वर्ण पदक, हुई भावुक

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण जीतने के बाद मीराबाई चानू ने अपने संघर्ष, चोटों और त्याग को याद करते हुए भावुक प्रतिक्रिया दी। वहीं रजत पदक विजेता राजा मुथुपांडी ने स्वर्ण नहीं जीत पाने का अफसोस जताया और अपना पदक माता-पिता तथा कोच विजय शर्मा को समर्पित किया।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के लिए चौथा दिन यादगार रहा। एक ओर मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, तो दूसरी ओर पोडियम पर उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मीराबाई ने बताया कि यह खुशी वर्षों के त्याग, चोटों और मानसिक संघर्ष का परिणाम थी। वहीं पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले राजा मुथुपांडी ने स्वर्ण से चूकने का अफसोस जताया और अपनी सफलता माता-पिता तथा कोच विजय शर्मा को समर्पित करते हुए भावुक बयान दिया। दोनों भारतीय भारोत्तोलकों के ये शब्द उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी खुद बयां करते हैं।

महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीतने के बाद मीराबाई चानू काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे कई वर्षों की मेहनत, चोटों से जंग और मानसिक दबाव रहा है। मीराबाई ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और बहुत भावुक भी हूं। यहां तक पहुंचने और पदक जीतने के लिए मैंने बहुत त्याग किए हैं। मैंने मानसिक तनाव और चोटों का सामना किया। मुझे नहीं पता था कि मैं राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बना दूंगी। मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने कोच द्वारा दिए गए वजन को सफलतापूर्वक उठाने पर था। मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा (85 किग्रा स्नैच और 105 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया राष्ट्रमंडल

खेल और राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इसके साथ ही वह गोल्ड कोस्ट 2018 और बर्मिंघम 2022 के बाद लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन बनीं।

पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले राजा मुथुपांडी अपनी उपलब्धि से खुश जरूर थे, लेकिन उनके चेहरे पर स्वर्ण नहीं जीत पाने की कसक भी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कोच विजय शर्मा को उन पर स्वर्ण जीतने का भरोसा था और वह उस उम्मीद पर पूरी तरह खरे नहीं उतर सके। मुथुपांडी ने कहा, मुझे निश्चित रूप से निराशा है, क्योंकि मेरे कोच को मुझ पर भरोसा था कि हम पूरा प्रयास करके स्वर्ण पदक जीतेंगे। लेकिन मैं वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाया। मैं यह पदक अपने माता-पिता और अपने कोच विजय शर्मा को समर्पित करता हूं। यहां से जो सीख मिली है, उसे लेकर आगे बढ़ूंगा। मैं अपने कोच के निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण करूंगा और पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। 26 वर्षीय मुथुपांडी ने स्नैच में 126 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 160 किग्रा वजन उठाकर कुल 286 किग्रा के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मलेशिया के अजनिल बिन बिदिन मोहम्मद ने 299 किग्रा के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ जीता।

ज्ञानेश्वरी ने भारत को दिलाया तीसरा रजत

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

भारत की महिला भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच में 88 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो वजन उठाया। इसके साथ ही उन्होंने कुल 199 किलो वजन उठाकर दूसर स्थान हासिल किया। नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने कुल 206 किलो (93+113) वजन उठाकर स्वर्ण पदक और कनाडा की रेबेका ग्रोउलेक्स ने कुल 178 किलो (83+95) का वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्ञानेश्वरी शुरुआत से ही पदक की प्रबल दावेदार थीं, लेकिन महज सात किलो के अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं। ज्ञानेश्वरी ने पहले प्रयास में 82 किलो वजन सफलतापूर्वक उठाया। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच के दूसरे प्रयास में 85 किलो वजन उठाया। इसके बाद उन्होंने स्नैच के तीसरे प्रयास में 88 किलो वजन उठाया। ज्ञानेश्वरी के स्नैच में तीनों प्रयास सफल रहे। हर एक प्रयास में उन्होंने अपना वजन बढ़ाया और वह इसे उठाने में सफल भी रहीं। ज्ञानेश्वरी का तीसरे प्रयास में 88 किलो वजन

कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड भी था, लेकिन नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने 93 किलो उठाया नया रिकॉर्ड बनाया। स्नैच के बाद नाइजीरिया की दिदिह आगे चल रही थीं और ज्ञानेश्वरी दूसरे नंबर पर थीं। क्लीन एंड जर्क में ज्ञानेश्वरी ने पहले प्रयास में 103 किलो वजन रजिस्टर कराया और वह इसमें सफल भी रहीं। इसके बाद उन्होंने 107 किलो और 111 किलो का वजन उठाया। स्नैच की तरह क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी के तीनों प्रयास सफल रहे। लेकिन दिदिह स्नैच की तरह क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी से आगे रहीं।

प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने वैभव सूर्यवंशी

हरारे। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे। सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद शान मसूद ने ठोका शतक

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान शान मसूद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने त्रिनिदाद, ब्रायन लारा स्टेडियम में खेलते हुए शतक लगाया और इसी के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शान इस सीरीज से पहले तक पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान थे और उनकी अगुवाई में टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

मसूद को हटाकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाबर आजम को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया। कप्तानी जाने के बाद शान मसूद ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और उन्होंने शतक ठोक दिया है। इससे पहले भी उन्हें शुरुआत मिलती रही है लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पा रहे थे। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ सैकड़ा जड़कर उन्होंने अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज पहले बैटर बन गए हैं, जिन्होंने ब्रायर लारा स्टेडियम, त्रिनिदाद में टेस्ट मैचों में शतक लगाया है। इस मैदान पर ये पहला टेस्ट मैच था और इसी मुकाबले में सेंचुरी ठोककर मसूद ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनका ये 7वां टेस्ट शतक है। इसके अलावा वेस्टइंडीज में खेलते हुए मसूद मात्र तीसरे ऐसे पाकिस्तानी बल्लेबाज बने हैं, जिन्होंने शतक लगाया है। उनसे पहले ये कारनामा अजहर अली ने 2017 में किया था। पाकिस्तान के लिए पहली बार युनिस खान ने 2005 में वेस्टइंडीज में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए शतक लगाया था।

मसूद ने लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। उन्होंने इससे पहले जनवरी 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाया था। दूसरी पारी में खेलते हुए इस बल्लेबाज ने 145 रन बनाए थे। उसके बाद वे कोई शतक नहीं लगा सके थे। पिछले 6 टेस्ट मैचों में उन्होंने 4 अर्धशतक लगाए लेकिन किसी भी हाफ सेंचुरी को सैकड़े में तब्दील नहीं कर सके थे।

पाकिस्तान ने इसी साल मई में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा किया था। पाक को उस सीरीज में मेजबानों ने 0-2 से हराया था और सीरीज अपने नाम की थी। इसके बाद शान मसूद को बोर्ड ने कप्तानी से हटा दिया और बाबर को फिर से टीम का कप्तान बना दिया।

व्यापार

सोना-चांदी में गिरावट, बाजार में चिंता

इंदौर। दुनियाभर की आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के कारण सोना-चांदी दबाव में है। जनवरी में सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे, लेकिन अब इनके भाव काफी नीचे आ गए हैं। चांदी जो चार लाख रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गई थी। वहीं सोना 1.82 लाख रुपये प्रति दस ग्राम हो गया था। अब चांदी करीब 2.23 लाख रुपये और सोना 1.42 लाख रुपये प्रति दस ग्राम केआसपास है।

भाव गिरने से सराफा कारोबारियों और निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। ऊंचे भाव पर खरीदारी करने वाले लोग अब कीमत बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। ग्राहक भी भविष्य के भाव को लेकर असमंजस में हैं, इसलिए खरीदारी कम हो गई है। गिरावट के कारण बाजार में कामकाज धीमा हो गया है। लोग शादी-ब्याह जैसी जरूरतों के लिए खरीदी करना चाहते हैं, लेकिन भाव और गिरने की उम्मीद में खरीदारी रोक रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे सोने-चांदी की कीमतें डॉलर की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेंगी। फिलहाल सराफा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 141500, सोना आरटीजीएस में 143000, सोना 22 कैरेट 131100 रुपये प्रति दस ग्राम (जीएसटी अतिरिक्त), चांदी चौरसा 222300, चांदी आरटीजीएस 220400, चांदी टंच 222600 रुपये प्रति किलो और चांदी सिक्का 2550 रु. प्रति नग ।

शुल्क मुक्त खाद्य तेलों के आयात से घरेलू रिफाइनिंग उद्योग पर बढ़ा दबाव

इंदौर। नेपाल से शुल्क मुक्त रिफाइंड खाद्य तेलों के लगातार बढ़ते आयात से देश के खाद्य तेल रिफाइनिंग उद्योग की चिंता बढ़ गई है। इससे भारतीय रिफाइनर्स को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही है। क्रूड और रिफाइंड खाद्य तेलों के आयात शुल्क में अंतर बढ़ने के बाद इंडोनेशिया और मलेशिया से रिफाइंड पामोलीन का आयात कम हुआ था, जिससे भारतीय रिफाइनर्स को राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) समझौते के तहत नेपाल से शुल्क मुक्त रिफाइंड खाद्य तेलों के आयात में तेजी आने से यह राहत नहीं मिल सकी। उद्योग का कहना है कि नेपाल में तिलहन उत्पादन बेहद सीमित है और वह अपनी घरेलू जरूरत भी पूरी नहीं कर पाता। इसके बावजूद नेपाल विदेशों से क्रूड पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल आयात कर अपने यहां रिफाइनिंग करता है और फिर तैयार खाद्य तेल भारत को शुल्क मुक्त निर्यात करता है। इससे नेपाल का रिफाइंड तेल भारतीय बाजार में सस्ता पड़ता है, जबकि भारतीय रिफाइनर्स को क्रूड तेल आयात पर सीमा शुल्क चुकाने के कारण अधिक लागत वहन करनी पड़ती है।

मूंग का रकबा 11 प्रतिशत पीछे मगर बिजाई की गति बढ़ने की उम्मीद

इंदौर। मूंग भारत की एकमात्र ऐसी दलहन फसल है जिसके बारे में आत्मनिर्भरता हासिल होने का दावा करती है। वर्ष 2022 से ही देश में मूंग के आयात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। समर्थन मूल्य से कम दाम मिलने के बावजूद किसान इसकी खेती से चिपके हुए हैं। वर्तमान खरीफ सीजन में करीब 62 प्रतिशत का लक्ष्यांकित क्षेत्र में मूंग की बिजाई हो चुकी है लेकिन इसका रकबा गत वर्ष से करीब 11 प्रतिशत पीछे चल रहा है। इसके तहत खासकर मप्र, राजस्थान, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में बिजाई घटी है, लेकिन मानसून की सक्रियता बढ़ने से विभिन्न राज्यों में हो रही अच्छी वर्षा के कारण मूंग की बिजाई की गति कुछ तेज होने की उम्मीद की जा रही है। ऐसा लगता है कि सीजन के अंत तक मूंग का कुल रकबा गत वर्ष के स्तर तक पहुंच सकता है। चालू खरीफ सीजन के दौरान 17 जुलाई तक देश में मूंग का कुल उत्पादन क्षेत्र करीब 24 लाख हेक्टेयर से 3 लाख हेक्टेयर कम था। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश सहित कुछ अन्य राज्यों में अच्छी वर्षा हो रही है।

दलहन-इंदौर चना काँटा 6050-6100 विशाल 5900-6000 मसूर 5900-5950 महाराष्ट्र सफेद 7400-7600 महाराष्ट्र लाल 7700-7900 कर्नाटक 8000-8300 निमारी तुवर 6500-7300, मूंग बेस्ट गर्मी 7200-7300 मूंग बेस्ट बोल्ड 7500-7800 मीडियम बोल्ड 7400-7700, मोगर 5500 -6500 ,उड़द बोल्ड 8800-9200 उड़द गर्मी 8200-8800, ग्रेविटी क्लीन 9000-9300 हल्का उरद 4000-6000, काबुली डॉलर

7200-8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200-5300 रुपये प्रति क्विंटल।

दालें- चना दाल 7400-7500, मीडियम 7800-7900, बेस्ट 8000-8300, मसूर 7600-7700, बेस्ट 7800-7900, मूंग दाल 8700-8800, बेस्ट 8900-9000 मूंग मोगर 10700-10800, बेस्ट 10900-11000, तुवर दाल 7300-7500, मीडियम 8400-8700, बेस्ट 9800-10100, ए.बेस्ट 10800-11000, ब्रांडेड तुवर दाल 12500, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11500-11800 बेस्ट 11900-12200, रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोले गए।

इंदौर चावल - बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रु. क्विंटल।

मसाला उद्योग को बढ़ावा देने की पहल, सियागंज बाजार को मिलेगा लाभ

इंदौर। भारतीय मसाला क्षेत्र में उद्यमिता और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मसाला बोर्ड और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) के टेक्नोलॉजी बिजनेस इंक्यूबेटर (टीबीआई) के बीच एमओयू किया गया है।

इस पहल से मसाला उत्पादन, बेहतर पैकेजिंग और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सियागंज किराना बाजार से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि इस तरह की योजनाओं से मसाला कारोबार को नई दिशा मिलेगी। सियागंज प्रदेश के बड़े किराना और मसाला व्यापार केंद्रों में शामिल है, जहां बड़ी मात्रा में मसाले और खाद्य उत्पादों का कारोबार होता है। इंदौर के मसाला कारोबारियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर अवसर मिल सकते हैं। भारत दुनिया का प्रमुख मसाला उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक देश

है। मसाला बोर्ड और आईआईएसआर की यह साझेदारी मसाला उद्योग को मजबूत करने के साथ इंदौर जैसे व्यापारिक केंद्रों के लिए भी नई संभावनाएं पैदा करेगी।

शकर 4780-4880, गुड़ भैली 4500-4600 कटोरा 4900-5000, लड्डू 5600-5700, खोड़ी 5500-5600, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 5300-5500, रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल 120 भरती 2500, 160 भरती 2900, 200 भरती 3100, 250 भरती 3600 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 370-410, कट्टे में 355-360 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 2900-5600 रु. प्रति 15 किलो।

मसाले-कालीमिर्च 740-850, हल्दी निजामाबाद 225-60 हल्दी सांगली 310-20, जीरा 265-310, सौंफ मोटी 110-150, एक्सट्रा बेस्ट 180-300, लौंग चालू 770-780, दालचीनी 250-55, जायफल 725-50 जावत्री 1675-1700,बड़ी इलायची 1450-1550, पत्थरफूल 340-425, बाद्यान फूल 425-655 शाहजीरा 385-890 तेजपान 90-95, नागकेसर 885-950, सौंठ 260, धोली मूसली 1100, हींग 751-3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3150, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 850-900 हरी इलायची 2700-3050 रुपए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा में प्रसिद्ध दादाजी धूनीवाले धाम में किए दर्शन

बाहरी आडंबरों से अलग है दादाजी धाम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खंडवा के सुप्रसिद्ध धूनीवाले दादाजी का स्वभाव जनकल्याणकारी भावनाओं से ओत-प्रोत था। उन्होंने अपने जीवनकाल में सर्वधर्म सद्भाव, भूखों को अन्न खिलाने और श्रद्धा-भाव से सभी भक्तों के कष्टों के निवारण को प्राथमिकता दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दादाजी धूनीवाले धाम बाहरी आडंबर से अलग है और यहां आने के बाद हर किसी को आंतरिक और आध्यात्मिक शक्ति का अनुभव होता है। बड़े दादाजी और छोटे दादाजी का यह अविस्मरणीय स्थान खंडवा ही नहीं, संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गौरव और आस्था का स्थान रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खंडवा जिला मुख्यालय में दादाजी धूनीवाले धाम में दर्शन-पूजन करने के बाद स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से दादाजी धूनीवाले धाम में हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर कई तरह की मत भिन्नता थीं। राज्य सरकार ऐसी सभी समस्याओं का समाधान निकालते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। दादाजी धूनीवाले धाम की मर्यादा के अनुरूप राज्य सरकार सभी प्रकार से नियम और संयम का पालन कर दादाजी के आशीर्वाद से इस धाम को भव्य और दिव्य बनाएगी। सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर सांदीपनि अलंकरण समारोह उज्जैन में आज

माधव विज्ञान महाविद्यालय में होगा आयोजन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर 29 जुलाई को उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक परिणाम देने वाले शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मान, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस पर आधारित मिशन बुनियाद परियोजना का शुभारंभ और स्कूल शिक्षा विभाग के नवनियुक्त प्राथमिक शाला शिक्षकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के शासकीय स्कूलों, कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों सर्वांगीण विकास, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, नैतिक मूल्यों एवं गुरु के प्रति आदर की भावना से जोड़ने के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों में संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इंदौर में बना 68वां ग्रीन कॉरिडोर

स्व. गौरव ने बढ़ाया इंदौर का मान, अंगदान से अमर हुई मानवता की मिसाल

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की पावन नगरी में एक बार फिर मानवता और सेवा की मिसाल देखने को मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अंगदानियों के सम्मान में प्रारंभ किए गए गार्ड ऑफ ऑनर व्यवस्था के तहत आज एक ओर अंगदानी स्व. गौरव दवे को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ ही अंगदानी स्व. गौरव दवे के शव को मानव श्रृंखला बनाकर पुष्प वर्षा करते हुए अश्रुपुरित बिदाई अपोलो हॉस्पिटल के प्रांगण में दी गई। इंदौर खजूरी बाजार निवासी 25 वर्षीय युवा फिल्म कास्टिंग कोऑर्डिनेटर एवं कलाकार स्व. श्री गौरव पिता सतीश दवे गंभीर ब्रेन हेमरेज के बाद अपोलो हॉस्पिटल फेस 2 में विगत 13 जुलाई से भर्ती थे। उपचार के अथक प्रयास के बावजूद उपचार के दौरान चिकित्सकों ने परिवार जनों को संभावित ब्रेन डेथ स्थिति की जानकारी दी गई। स्व. श्री गौरव के पिता श्री सतीश एवं माता श्रीमती कविता दवे की बहन श्रीमती वैदही राठी, बहनोई श्री पलकेश राठी और भाई रितिक चावरे की सहमति से अंगदान करने का फैसला लिया गया। इस सम्पूर्ण मानवता के कार्य में अपोलो हॉस्पिटल के चिकित्सकों तथा मुस्कान ग्रुप सेवादारों ने अहम भूमिका निभाई।

इस सम्पूर्ण प्रक्रिया के पश्चात इंदौर में 68वॉ ग्रीन कॉरिडोर अपोलो हॉस्पिटल से इंदौर एयरपोर्ट के लिए सुबह 8ः02 बजे बना जो 13 मिनट में, दूसरा ग्रीन कॉरिडोर 9.15 पर चोइथराम हॉस्पिटल के लिए बना जो 16 मिनट में पूर्ण हुआ, जिसमें इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्व. गौरव दवे का हृदय अहमदाबाद के यु एन मेहता हॉस्पिटल के 28 वर्षीय पुरुष रोगी को दान किया गया। लिवर अपोलो हॉस्पिटल में 42 वर्षीय इंदौर निवासी पुरुष रोगी को दान किया, दोनों किडनी चोइथराम हॉस्पिटल की 22 महिला रोगी एवं 52 वर्षीय महिला रोगी को में प्रत्यारोपित किया गया।

मध्य प्रदेश शासन के SOTTO कार्यालय के डॉ. अरविंद घनघोरिया, नोडल अधिकारी डॉ. मनीष पुरोहित, श्रीमती निधि शर्मा और श्री शुभम वर्मा आर्गन एलोकेशन की प्रक्रिया को विधान पूर्वक पूर्ण किया। सांसद श्री शंकर लालवानी, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के द्वारा पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की गई। कल देर रात इंदौर के सांसद श्री शंकर लालवानी ने अपोलो हॉस्पिटल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं दानदाता परिवारजनों से भेंट की। यूएन मेहता हॉस्पिटल अहमदाबाद के हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ कार्तिक पटेल की 10 सदस्य टीम देर रात एंबुलेंस से चलकर सुबह 4ः20 पर इंदौर पहुंचे। अपोलो अस्पताल के डॉ अंकुर गुप्ता, डॉ सुशील कुमार जैन,डॉ अभी पालीवाल एवं ऑर्गन ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर नेएल छ%स्थह्व5ड्ड राष्ट्रीय स्तर पर आर्गन एलोकेशन की व्यवस्था बनाए हुए थे।

समय-सीमा के प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी -कलेक्टर वर्मा

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण, राजस्व शिविरों के आयोजन और अवैध अतिक्रमण हटाने पर विशेष ध्यान देने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही एवं उदासीनता पाए जाने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने श्रम विभाग के सहायक आयुक्त डी.पी. सिंह को कारण बताओ (शोकॉज) नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा के प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा शासन की अन्य प्राथमिकता वाली योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों में लगातार लापरवाही सामने आएगी, उनके विरुद्ध वित्तीय दंड सहित आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जिले में हल्का स्तर पर आयोजित किए जा रहे राजस्व जनकल्याण शिविरों से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से वर्षों से लंबित नामांतरण, बंटवारा, बटांकन, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन से संबंधित राजस्व प्रकरणों का भी शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को तहसील अथवा कलेक्टर कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध कॉलोनाइजेशन के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करें।

जहाँ भी अवैध अतिक्रमण दिखाई दे, वहाँ बिना विलंब कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले विषयों एवं समय-सीमा के प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण करते हुए आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सिद्धार्थ जैन को दी गई विदाई

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सिद्धार्थ जैन को इंदौर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से कार्य मुक्त किया गया। इस अवसर पर उन्हें कलेक्टर कार्यालय में भावभीनी बिदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने जैन की कार्यकुशलता, कर्मठता, कर्तव्य परायणता और कार्यों के प्रति समर्पण के भाव की सराहना की। उन्होंने जैन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जैन की पदस्थापना उप सचिव के रूप में मुख्य सचिव कार्यालय भोपाल में हुई है।

गौ हत्या पर प्रतिबंध और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर

11 लाख हस्ताक्षर का ज्ञापन संत समाज और समाज जनों ने कलेक्टर कार्यालय पर सौंपा

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

इंदौर सहित देश के 500 से अधिक सभी जिला मुख्यालयों पर आज संत समाज द्वारा गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाने और गो सम्मान के लिए जुटें।

इंदौर में धोबी घाट के पास से रैली के रूप में संत और समाजजन कलेक्टर कार्यालय सुबह पहुंचें। यहां इंदौर और आसपास के जिलों से 11 लाख लोगों द्वारा उक्त मांगों को समर्थन करते हुए किए गए हस्ताक्षर का पत्र और ज्ञापन सोपा।

संत और समाजजन ने फिलहाल अपनी मांगे मनवाने के लिए प्रार्थना पूर्वक सरकार से आग्रह किया।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 से 2024 तक की उत्तर पुस्तिकाओं का अभ्यर्थी कर सकेंगे अवलोकन

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2019 से राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2024 तक की वर्णनात्मक (डिस्क्रिप्टिव) उत्तर पुस्तिकाओं के अवलोकन की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। जारी सूचना के अनुसार वर्ष 2019 से वर्ष 2024 तक आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षाओं के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) में शामिल अभ्यर्थियों को अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन करने का अवसर मिलेगा। आयोग ने बताया कि इस प्रक्रिया की शुरुआत सबसे पहले राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2019 की उत्तर पुस्तिकाओं से की जाएगी। इनका अवलोकन नवंबर 2026 से प्रारंभ होगा। इसके बाद क्रमशः आगामी वर्षों की मुख्य परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के अवलोकन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।आयोग के अनुसार अभ्यर्थियों को उत्तर पुस्तिका के अवलोकन के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। निर्धारित कार्यक्रम और स्लॉट के अनुसार अभ्यर्थी स्वयं अपनी उत्तर पुस्तिका का अवलोकन कर सकेंगे। एमपीपीएससी ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश, आवेदन प्रक्रिया, समय-सारिणी तथा अन्य आवश्यक जानकारी अलग से आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर संस्कृति विभाग द्वारा दो सांस्कृतिक आयोजन आज

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर 29 जुलाई को इंदौर में दो विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करना तथा संगीत एवं ललित कला की समृद्ध विरासत से आमजन को जोड़ना है। गुरु पूर्णिमा उत्सव के अंतर्गत 29 जुलाई, बुधवार शाम 6 बजे संतोष सभागृह, चरक हॉस्पिटल परिसर, रानी सती गेट, एबी रोड, इंदौर में संगीत सभा का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गुरु वंदना से किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. डॉ. लीला धुलधोये का अतिथि एवं गुरु सम्मान किया जाएगा।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में मेहर के कलाकार श्री अनिल जैसवाल एवं मनोज जैसवाल द्वारा सरोद-सितार जुगलबंदी, पंडित सुरेश भट्ट खेरागढ़ द्वारा तबला संगत तथा सुश्री सुरुचि होम्बल एवं भारती होम्बल द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी दिन प्रातः 10ः30 बजे शासकीय ललित कला महाविद्यालय, बाल भवन योजना क्रमांक-78, भाग-2, एमआर-10-11, इंदौर में एक दिवसीय व्याख्यान एवं लाइव डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन होगा।

बिना लाइसेंस संचालित प्रतिष्ठान कराया बंद, दो प्रतिष्ठानों से कई किलो संदिग्ध घी जब्त

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की इंदौर में बड़ी कार्रवाई, 31 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित

राष्ट्रीय हिंदी मेल, इंदौर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश के निर्देशों तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा सोमवार को दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा बाहरी राज्यों से इंदौर आने वाले खाद्य पदार्थों की सघन जांच हेतु विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान चलाया गया।

आज की कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा 04 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुल 31 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। इसके अतिरिक्त दो प्रतिष्ठानों से 2,165 किलोग्राम/लीटर से अधिक संदिग्ध घी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?12.21 लाख है, विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने तक नियमानुसार जब्त किया गया।

बिना लाइसेंस संचालित मेसर्स श्री इंटरप्राइजेज कराया बंद, 1,115.4 किलोग्राम/लीटर संदिग्ध घी जब्त- खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा 34-क्ष ऋषि पैलेस, द्वारकापुरी के पीछे, सुदामा नगर, इंदौर स्थित मेसर्स श्री इंटरप्राइजेज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान की प्रोपराइटर श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव एवं संचालक श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव के पास खाद्य कारोबार संचालन हेतु आवश्यक वैध खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया। बिना वैध अनुज्ञप्ति के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना पाए जाने पर जनस्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिष्ठान को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

निरीक्षण के दौरान परिसर में विभिन्न ब्रांड के घी का बड़े पैमाने पर भंडारण पाया गया। गुणवत्ता संदिग्ध प्रतीत होने पर गौ अमृत घी (100 मि.ली., 200 मि.ली., 500 मि.ली., 1 लीटर एवं 15 किलोग्राम पैक), मिस्टी गाय का घी, मिस्टी भैंस का घी तथा शाश्वत घी सहित कुल 08 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

साथ ही मौके से 1,115.4 किलोग्राम/लीटर संदिग्ध घी, जिसकी अनुमानित कीमत 7,46,659 है, विश्लेषण प्रतिवेदन प्राप्त होने तक नियमानुसार जब्त किया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बाहरी राज्यों से इंदौर आने वाले घी की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी, डुग्गू एंटरप्राइजेज से 14 नमूने एवं 1,050 किलोग्राम घी जब्त-खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा डुग्गू एंटरप्राइजेज, ड्रीम सिटी, तालावली चांदा, इंदौर का भी सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संचालक श्री मुदित अग्रवाल उपस्थित पाए गए। जांच में पाया गया कि प्रतिष्ठान पर गुजरात राज्य में निर्मित श्री मूल, गोसंत, गूमर एवं श्री सिद्ध ब्रांड के विभिन्न प्रकार के घी का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा था। बाहरी राज्य से इंदौर में विक्रय हेतु लाए गए घी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी ब्रांडों से कुल 14 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। निरीक्षण के दौरान उपलब्ध स्टॉक की गुणवत्ता संदिग्ध प्रतीत होने पर लगभग 1,050 किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?4.75 लाख है, विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने तक नियमानुसार जब्त किया गया।

किशनलाल मायाराम प्रा. लि., पोलोग्राउंड का निरीक्षण- किशनलाल मायाराम प्रा. लि., पोलोग्राउंड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से दूध, मावा, पनीर, घी, मिल्क केक एवं दूध कतली के कुल 06 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

स्वामी, प्रकाशक, एमडीवीडी बिजनेस पार्क प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रबंध संपादक पृथ्विजय कुमार दास द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे सेंटर पॉइंट राहु खेड़ी देवास बायपास एबी रोड इंदौर 453771 से मुद्रित, 197 सांईकृपा कॉलोनी, (बाम्बे हॉस्पिटल के समीप), इंदौर से प्रकाशित संपादकीय कार्यालय: ईसी-5 स्कीम नम्बर 94, उत्तमभोग के पास, इंदौर (07314678868), सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा। Email- rashtriyahindimailindoreoffice@gmail.com) RNI. No. : MPHIN/2003/13302,
संपादक: विजयकुमार दास, समाचार संपादक-अरुण हार्डिया, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समूह संपादक : आशीष दुबे